RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:325 ता. 20 जून 2023, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संसद में भाषण, 21 तोपों की सलामी, बाइडेन का प्राइवेट डिनर और भारतीय समुदाय के बीच पीएम मोदी का मेगा शो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर पूरी दुनिया की नजरे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निमंत्रण पर पीएम मोदी चार दिनी यात्रा पर अमेरिका जा रहे हैं।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर पूरी दुनिया की नजरे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निमंत्रण पर पीएम मोदी 21 से 24 जून तक चार दिनी यात्रा पर अमेरिका जा रहे हैं। पीएम मोदी के सम्मान में व्हाइट हाउस में 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। अमेरिकी यात्रा के दौरान पीएम मोदी के प्रमुख कार्यक्रमों में 21 को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम, 22 जून को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से लेकर दो घंटे के मेगा शो में प्रवासियों को भारत की गाथा सुनाना शामिल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21-24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर जा रहे हैं। बाइडेन 22 जून को राजकीय रात्रिभोज में मोदी की मेजबानी करेंगे। इस यात्रा में पीएम मोदी का 22 जून को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करना भी शामिल है। 23 जून को मोदी वाशिंगटन डीसी में डायस्पोरा नेताओं की आमंत्रण सभा को संबोधित करेंगे। दो घंटे के मेगा शो में प्रवासी भारतीयों के साथ मोदी का कार्यक्रम ÷भारत की विकास गाथा में उनकी भूमिका पर केंद्रित होगा।

संसद में भाषण से लेकर 21 तोपों की सलामी

पीएम मोदी के सम्मान में सबसे पहले व्हाइट हाउस में 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। 22 को वे अमेरिका संसद में कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। इसके बाद 23 जून को पीएम मोदी का प्रवासी भारतीयों को संबोधन कार्यक्रम निर्धारित है। यह मेगा शो शाम 7 बजे से रात 9 बजे दो घंटे के लिए रखा गया है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय गायिका मैरी मिलबेन द्वारा पीएम मोदी और अन्य मेहमानों के लिए प्रस्तुति भी दी जाएगी।

1000 लोगों की होगी मौजूदगी

अमेरिका में पीएम मोदी के सम्मान कार्यक्रम के आयोजक डॉ भरत बरई ने कहा कि प्रधानमंत्री भारत में ही नहीं, दुनिया में सबसे लोकप्रिय सार्वजनिक व्यक्ति हैं। वाशिंगटन डीसी में पीएम मोदी भारतीय प्रवासियों को संबोधित करेंगे। समाचार एजेंसी पीटीआइ ने बताया कि कार्यक्रम के भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की उम्मीद की थी, लेकिन व्यस्तता के चलते ऐसा नहीं हो सकेगा। इस कार्यक्रम में लगभग 1,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

बाइडेन के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर

पीएम मोदी 22 जून को वाशिंगटन जाएंगे। वहां व्हाइट हाउस में उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस दौरान सात हजार से अधिक लोग मौजूद हो सकते हैं। इसके बाद मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उच्च स्तरीय वार्ता करेंगे। द्विपक्षीय बैठकों के दौरान रक्षा और तकनीक और कुछ प्रमुख समझौतों पर बातचीत की उम्मीद है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, दोनों देशों के बीच डील के तहत अमेरिका भारत को तेजस एमके 2 इंजन के निर्माण के लिए 80त्न तकनीक एचएएल को हस्तांतरित करेगा। सूत्रों ने कहा कि मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर समझौते को अंतिम रूप दिया जाना तय है। अमेरिका के जनरल इलेक्ट्रिक और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच वैल्यू के आधार पर 80 फीसदी इंजन टेक्नोलॉजी के ट्रांसफर को लेकर डील साइन हो सकती है।

गुरुग्राम की चिंटल्स पैराडाइसो सोसाइटी के इन 3 टावरों में 180 फ्लैटों की रजिस्ट्री होगी रद्द

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर-109 स्थित चिंटल्स पैराडाइसो सोसाइटी में असुरक्षित घोषित हो चुके डी, ई और एफ टावरों में फ्लैटों की अब रजिस्ट्री रद्द होगी। जिला उपायुक्त निशांत कुमार यादव की ओर से इन तीन टावरों के 180 फ्लैटों की रजिस्ट्रियां रद्द करने के लिए प्रदेश सरकार का पत्र लिखा गया है। अगले सप्ताह तक सरकार से आदेश आने की संभावना है। इसके बाद फ्लैट मालिकों को रिफंड करने की प्रक्रिया शुरू होगी। हालांकि, 10 फीसदी भुगतान करने के बाद फ्लैट मालिक बिल्डर को चाबी नहीं देना चाहते हैं। चिंटल्स सोसाइटी के तीन टावरों में 180 फ्लैट हैं। इसमें बिल्डर के दो में से एक विकल्प के लिए 90 फ्लैट मालिक सहमत है। यह लोग बिल्डर से फ्लैट का रिफंड चाहते हैं। 90 फ्लैट मालिक बिल्डर के दूसरे विकल्प जिसमें दोबारा से फ्लैट का निर्माण चाहते हैं। इन्होंने बिल्डर के सामने एक हजार वर्ग फीट की दर से दोबारा निर्माण के लिए पैसा नहीं देने की शर्त रखी है। सोसाइटीवासियों की एडीसी के साथ पिछले सप्ताह बैठक हुई थी। इसमें शर्त रखी गई थी कि केवल 10 फीसदी भुगतान करने के बाद फ्लैट मालिक बिल्डर को न तो चाबी देंगे और न ही पैसा देंगे। इस मामले में निवासियो ने डीसी से हस्तक्षेप की मांग की है ।

फ्लैटों की मूल्यांकन रिपोर्ट नहीं आई- टावर निवासियों ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से तीन टावरों के फ्लैटों की कीमत का दोबारा से मूल्यांकन कराया जा रहा है। इसकी रिपोर्ट अब तक नहीं आई है। फ्लैट मालिक यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि बिल्डर के साथ सेंटलमेंट के लिए किस आधार पर एग्रीमेंट करे। रिपोर्ट आने में देरी के कारण लोगों को राशि मिलने में बिलंब होगा। वहीं, एच टावर की भी रिपोर्ट नहीं मिलने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। वह समझ नहीं पा रहे है कि बिल्डर से रकम मिलेगी या दोबारा से फ्लैट का निर्माण कराया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में 7 दिन तक सजेगा बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री का दिव्य दरबार

20 लाख श्रद्धालु होंगे शामिल

नोएडा। बागेश्वर धाम सरकार और धीरेंद्र शास्त्री के अनुयायियों के लिए खुशखबरी है। धीरेंद्र शास्त्री अगले महीने एक सप्ताह के लिए ग्रेटर नोएडा आ रहे हैं। इसके लिए यहां जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। कार्यक्रम में लगभग 20 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान है। अमृत कल्याण सेवा ट्रस्ट द्वारा ग्रेटर नोएडा स्थित जैतपुर में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। यहां 10 से 16 जुलाई तक बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का दिव्य दरबार लगेगा। वह एक सप्ताह तक श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का अमृतपान कराएंगे। इसके लिए देश के प्रमुख धर्माचार्य, पीठाधीश्वर और संतों को आयोजन में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र भेजा जा रहा है। मुख्य आयोजक शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि बागेश्वर धाम सरकार पंडित धीरेंद्र शास्त्री के सान्निध्य में होने वाली कथा 10 जुलाई से प्रारंभ होगी। भागवत कथा 16 जुलाई तक प्रतिदिन होगी। कथा संचालन समिति के अध्यक्ष पवन त्यागी ने बताया कि सनातन धर्म का प्रचार करने और सनातन धर्म को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भागवत कथा में लगभग 20 लाख श्रद्धालु शामिल होंगे। इसके लिए समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशेष तैयारी की गई है। वहीं, नोएडा शासन एवं

प्रशासन से कार्यक्रम की सभी अनुमति ली गई है। इसके अलावा नोएडा पुलिस कमिश्नर द्वारा सुरक्षा के विशेष इंतजाम करने के लिए कहा गया है। कथा संचालन समिति ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा संत समागम 8 जुलाई से प्रारंभ होगा।

नीतीश की बैठक से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं संग मंथन करेंगे राहुल-खरगे, 2024 पर क्या होगी बात?

पटना। 23 जून को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बिहार आ रहे हैं। राजधानी पटना में दोनों नेताओं के भव्य स्वागत की तैयारी है। पटना एयरपोर्ट उतरने के बाद सुबह 10 बजे दोनों नेता सीधे कांग्रेस प्रदेश कार्यालय सदाकत आश्रम पहुंचेंगे और प्रदेश के नेताओं-कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने रविवार को सदाकत आश्रम में दी। सीएम नीतीश कुमार के आवास पर होने वाली विपक्षी दलों की बैठक से पहले दोनों नेता अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से बात करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश के आमंत्रण पर राहुल गांधी और खरगे पटना आ रहे हैं। सीएम आवास एक अणे मार्ग में 11.30 बजे से विपक्षी दलों की होने वाली बैठक में शामिल होंगे। इसके पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सदाकत आश्रम में पार्टी के प्रमुख नेताओं से भी मिलेंगे। राहुल गांधी चार हजार किमी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद पहली बार बिहार आ रहे हैं। बिहार आगमन पर ऐतिहासिक

स्वागत की तैयारी प्रदेश कांग्रेस द्वारा की जा रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि सदाकत आश्रम में 70 हजार वर्गफीट में टेंट लगाया जा रहा है। सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि 23 जून को प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ पटना में रहें। राहुल और खरगे आगामी चुनावों को लेकर उनसे बात करेंगे। 2024 के चुनाव में अधिक से अधिक सीटों पर बेहतर उम्मीदवार देकर अधिक से अधिक सीट पर कब्जा करने की रणनीति पर विचार किया जाएगा। राहुल और खरगे एक कमरे में बैठेंगे जहां वे पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। सुरक्षा कारणों से उसकी वीडियोग्राफी करके भेजा गया है। जगह दिल्ली से फाइनल हुआ है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि 23 जून की विपक्षी दलों की बैठक के बाद राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। इसमें कांग्रेस के दो सदस्य मंत्री पद की शपथ लेंगे। राजद के सदस्य भी मंत्री बनेंगे। मालूम हो कि कांग्रेस के दो सदस्य वर्तमान में मंत्री हैं। दो और के शपथ लेने के बाद कांग्रेस से चार मंत्री हो जाएंगे। अभी राज्य मंत्रिमंडल में 31 सदस्य हैं।

पंजाब के सिख श्रद्धालुओं की बस पलटने से 25 तीर्थयात्री घायल

चंपावत/नैनीताल। उत्तराखंड के चंपावत में पंजाब के सिख श्रद्धालुओं की बस पलटने से 25 तीर्थ यात्री घायल हो गये हैं। तीर्थ यात्री चंपावत के रीठा साहिब गुरूद्वारा से दर्शन कर लौट रहे थे।

घटना रात की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार पंजाब के तीर्थ यात्रियों की एक बस प्रसिद्ध रीठा साहिब के दर्शन के लिये आयी थी। बस लौटते समय राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर धौन के पास सड़क पर पलट गयी।

बताया जा रहा है कि बस में 61 श्रद्धालु सवार थे। बस के पलटते ही तीर्थ यात्रियों में चीख पुकार मच गयी। इस दुर्घटना में 25 तीर्थ यात्री घायल हो गये। इनमें सात गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोग जुट गये। पुलिस भी मौके पर पहुंची।

सभी घायलों को आपतकालीन सेवा 108 की मदद से चंपावत अस्पताल ले जाया गया। इनमें से सात को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल रैफर

कर दिया गया है जबकि 18 का उपचार चंपावत में चल रहा है। गंभीर घायलों के साथ उनके परिजन भी हल्द्वानी आये हैं।

बाकी तीर्थ यात्रियों को पुलिस ने चंपावत में ठहराया हुआ है। दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में झमाझम बारिश और हवाओं से बदली एनसीआर की फिजा, मौसम हुआ कूल-कूल

नई दिल्ली। दिल्ली में मौसम के करवट लेने से एनसीआर की फिजा बदल गई है। दिल्ली-एनसीआर कई इलाकों में सोमवार सुबह से हो रही बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई है। इससे उमस और तपिश भरी गर्मी से परेशान लोगों अब थोड़ी राहत मिली है। राजधानी के कुछ हिस्सों में सोमवार सुबह कहीं झमाझम तो कहीं हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने दिल्ली में सोमवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39 और 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान जताया था। आईएमडी

ने सोमवार (19 जून) को दिल्ली में बारिश और बूंदाबांदी की संभावना के साथ ज्यादातर बादल छाए रहने की भविष्यवाणी की है। क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र (ऋङ्खस्नष्ट) ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में गरज के साथ छींटे पड़ने और हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है।

मौसम विभाग ने ट्वीट कर बताया, एनसीआर के (मानेसर) फारुखनगर, कोसली, सोहाना, रेवाड़ी, बावल, नूंह (हरियाणा) नंदगांव, बरसाना, जलेसर, सादाबाद (यूपी) भिवारी, तिजारा, खैरथल, डीग (राजस्थान) में हल्की बारिश के साथ आंधी आने की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने कहा कि इस बीच, पूर्वी राजस्थान के मध्य भागों में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का असर अगले 12 घंटों के दौरान और बने रहने की संभावना है। इससे पहले रविवार को चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के प्रभाव से राजस्थान के बाड़मेर जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। कई जगहों पर भीषण जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति देखी गई। आईएमडी के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने शनिवार को कहा कि चक्रवात बिपरजॉय अब कमजोर हो गया है और पूर्व-उत्तर पूर्व दिशा में आगे बढ़ रहा है, दक्षिण राजस्थान और उत्तर गुजरात के आसपास के क्षेत्रों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। उन्होंने आगे कहा कि चक्रवात के कारण सिर्फ गुजरात और राजस्थान में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने कहा कि अगले 12 घंटों में इसके और कमजोर होकर दबाव में बदलने की आशंका है।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने उद्धव ठाकरे को क्यों दी मछली खाने की सलाह?

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को मछली खाने की सलाह दी है। राणे ने इसके पीछे की वजह भी बताई। एक मराठी चैनल के कार्यक्रम में सवाल का जवाब देते हुए राणे ने ये बातें कही। नारायण राणे ने कहा कि आप जब भी कोंकण आएं तो मछली खाकर जरूर जाएं लेकिन, बारसू रिफाइनरी परियोजना का विरोध न करें। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने बारसू रिफाइनरी परियोजना को लेकर उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। मराठी चैनल के %खुप्ते थे गुप्ते% कार्यक्रम में हिस्सा लेने के दौरान राणे ने उद्धव ठाकरे को सलाह दी कि अगर कोंकण आना ही है तो मछली खाने आइए लेकिन, परियोजना का विरोध मत कीजिए।

बारसू परियोजना पर बवाल क्यों है?

महाराष्ट्र के बारसू में एक रिफाइनरी के लिए भूमि सर्वेक्षण को लेकर उद्धव ठाकरे सरकार पर लगातार निशाना साध रहे हैं। हालांकि सरकार की तरफ से उद्धव पर काउंटर अटैक किया गया कि जब इस परियोजना की मंजूरी उद्धव ने अपने कार्यकाल में ही दी थी तो अब इसका विरोध

क्यों? जवाब में उद्धव का कहना है कि केंद्र ने उनके कार्यकाल के दौरान दो साल तक इस परियोजना पर अमल क्यों नहीं किया? जब राज्य में बीजेपी की सरकार लौटी तो लोगों से जबरदस्ती भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है, जो सरासर गलत है। उद्धव ने ये बातें तब कहीं, जब मीडिया रिपोर्ट सामने आई थी कि बारसू में रिफाइनरी परियोजना के लिए लोगों से बल प्रयोग कर जमीन अधिग्रहित की जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान राणे ने उद्धव के लिए कहा, ÷आप कोंकण आए और रत्नागिरी में बारसू रिफाइनरी परियोजना का विरोध किया। लेकिन अगर आप जानते हैं तो शिवसेना ने गठन के बाद से कोंकणी लोगों का समर्थन किया गया है। कोंकण के लोगों ने भी शिवसेना को बढ़ाया है और आज भी ऐसा ही कर रहे हैं। कोंकण के विकास के लिए बारसू रिफाइनरी परियोजना आवश्यक है। इसलिए इस परियोजना का विरोध न करें, सहयोग करें। आप बालासाहेब के बेटे हैं। कोंकण ने बालासाहेब को प्यार और विश्वास दिया। आप कम से कम इसमें से इन लोगों को दें।

सीटी स्कैन, एमआरआई और एक्सरे रिपोर्ट हुए पुराने...जल्द एआई रेटिना स्कैन कर बीमारी का पता लगाएगा

नई दिल्ली ।एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से स्कूल, कॉलेज या ऑफिस आदि के काम को जल्दी और सही किया जा सकता है।लेकिन क्या आप जानते हैं कि एआई से जल्द बीमारी का भी पता लगा सकते और उससे ईलाज में भी मदद मिलेगी।ऐसा कहना गूगल के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सुंदर पिचाई का है।दरअसल, टविटर पर एक वीडियो सामने आया है, जो गूगल के किसी पुराने इवेंट का है।इस वीडियो में पिचाई गूगल एआई की खूबियां बता रहे हैं। उन्होंने बताया है कि कैसे यह एआई सिस्टम मेडिकल सेक्टर में रेवोल्यूशनरी बदलाव लाएगा। गूगल एआई जल्द ही कई सेक्टर को मजबूत करेगा। पिचाई ने बताया कि गूगल एआई के डीप एनालाइजेशन का इस्तेमाल करके सिर्फ आंख की रेटीना स्कैन कर कई बीमारियों का पता चल जाएगा। इतना ही नहीं यह बीमारियों का अनुमान भी लगा सकते हैं। इसके लिए ब्लड सैंपल और चीरा आदि लगाने की जरूरत नहीं होगी। ट्विटर पर एक यूजर्स ने पिचाई का वीडियो शेयर करके लिखा है कि अब सिर्फ आई स्कैन से कई बीमारियों का पता लगाया जा सकेगा, जिसके लिए मौजूदा समय में सीटी स्कैन, एमआरआई और एक्सरे आदि किए जाते हैं। पिचाई ने बताया है कि सिर्फ एक रेटिना स्कैन से उम्र, लिंग,स्मोकिंग हैबिट, डायबिटीज, बीएमआई और ब्लड प्रेशर की जानकारी मिलेगी। वीडियो के मुताबिक, हर एक जानकारी में दो ऑप्शन दिए हैं, जिनमें से एक प्रीडिक्ट और एक्चुअल कंडिशन मिलेगी। वीडियो में बताया है कि गूगल एआई से सिर्फ एक डॉक्टर ढेरों मेडिकल रिपोर्ट्स को एनालाइज कर सकेगा।डॉक्टर ये अनुमान भी लगा सकते हैं कि 24 घंटे या 48 घंटे बाद पेशेंट की कंडिशन क्या हो सकती है।ऐसी कंडिशन में डॉक्टर को भर्ती करने में आसानी होगी।

उग्रवादियों की गोली से सेना का जवान हुआ घायल

इंफाल ।इंफाल पश्चिम जिले में उग्रवादियों के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान सेना का एक जवान घायल हो गया।इस दौरान उग्रवादियों ने क्षेत्र के पांच घरों में आग भी लगा दी।अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।रक्षा सूत्रों ने बताया कि हथियारबंद बदमाशों ने रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात इंफाल पश्चिम जिले के चिंगमंग गांव और कांटो सबल में गोलीबारी की, जिसमें हमारा एक जवान घायल हो गया। आर्मी कॉलम ने क्षेत्र में ग्रामीणों को ध्यान में रखते हुए नियंत्रित जवाबी कार्रवाई की।जिसमें सेना का एक जवान गोली लगने से घायल हो गया और उसे तुरंत लीमाखोंग के सैन्य अस्पताल में ले जाया गया और अब उसकी हालत स्थिर है।एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा, सेना की अतिरिक्त टुकड़ियों को क्षेत्र में तैनात किया गया है और संयुक्त अभियान जारी है।सेना के साथ मुठभेड़ से पहले उग्रवादियों ने लीमाखोंग गांव में पांच घरों को आग के हवाले कर दिया, इसके बाद जमकर गोलीबारी की गई।

मिजोरम में जनवरी से अब तक 271 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त

आइजोल। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने मिजोरम में जनवरी 2023 से अब तक कुल 271 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। अधिकारी के मुताबिक, मिजोरम आबकारी और मादक द्रव्य विभाग ने इस साल जनवरी से जून के बीच लगभग 138.5 करोड़ रुपये मूल्य की 27.7 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है।उन्होंने बताया कि जब्त की गई हेरोइन की ज्यादातर तस्करी म्यांमा से की गई थी। विभाग ने इसी अवधि के दौरान 15.3 किलोग्राम गांजा (भांग) और चार किलोग्राम मेथमफेटामाइन की गोलियां भी जब्त कीं। साथ ही राज्य पुलिस ने जनवरी से मई के बीच करीब 132.5 करोड़ मूल्य की 26.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी।उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस ने इसी अवधि के दौरान 210.7 किलोग्राम स्यूडोफेड्राइन की गोलियां और 25.38 किलोग्राम मेथमफेटामाइन गोलियां की भी जब्त की थीं। मिजोरम के समाज कल्याण और आबकारी मंत्री लालरिनाव्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कोर कमेटी ऑन रुईहोल दो (ड्रग्स के खिलाफ युद्ध) की बैठक में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते नशीली दवाओं के उपयोग के बारे में चिंता व्यक्त की गई।

खेलते-खेलते कार में घुसे दरवाजा हुआ लॉक, 3 नाबालिग बच्चों की दम घुटने से मौत

-पुलिस पूरे शहर में बच्चों की तलाशी में जुटी रही

नागपुर ।नागपुर में तीन नाबालिग बच्चों के शव मिलने से हड़कंप मच गया है।ये नाबालिग शहर के फारूक नगर इलाके से 17 जून से लापता थे। पुलिस के अनुसार, बच्चों की पहचान आफरीन खान (6), उसके चचेरे भाई आलिया खान (6) और तौफीक खान (4) के रूप में हुई है, जो शनिवार दोपहर लंच के बाद अपने घर के बाहर खेलने गए थे। बताया जा रहा है कि पास में एक लावारिस एसयूवी कार खड़ी थी, उसमें बच्चों ने खेलने के लिए प्रवेश किया, लेकिन किसी कारण फोर्ड कार के दरवाजे अपने आप बंद हो गए।घटना के करीब 30 घंटे के बाद एक स्थानीय महिला ने वहां बदबू आने की शिकायत की।शिकायत के बाद लोग और पुलिस टीम एसयूवी की जांच के लिए मौके पर पहुंची।पुलिस को कार से तीनों बच्चों के शव बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक बच्चों ने जान बचाने के लिए पूरा संघर्ष किया। वाहन की धूल भरी विंडशील्ड पर बच्चों की उंगलियों के निशान थे। फिलहाल एसयूवी से शवों को निकाल लिया गया है। बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया गया है।पुलिस ने इस पूरी घटना की वीडियोग्राफी की है। जानकारी के मुताबिक कार नागपुर के एक स्थानीय व्यक्ति की थी, जिसे आसपास के एक गैरेज मैकेनिक द्वारा पावरलूम वर्कशॉप के बाहर पार्क किया गया था।बता दें कि पंचपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई गुमशुदगी की शिकायत के बाद, लगभग 200 कर्मियों की अलग-अलग टीमों ने सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया, पड़ोस में घर-घर जाकर तलाशी ली और एक डॉग स्क्वायड भी वहां गया, लेकिन बच्चों को ट्रैक करने में विफल रहा। स्थानीय लोगों ने कहा कि आमतौर पर कारों को खुला छोड़ दिया जाता है, और बच्चे अक्सर अंदर खेलते हैं, लेकिन इस बार हो सकता है कि बच्चों ने अनजाने में कार लॉक कर फंस गए हों।पंचपोली पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तीनों बच्चों की मौत का कारण दम घुटना बताया गया है, जो अत्यधिक गर्मी की वजह से हुआ है।

रथयात्रा पर अमित शाह देंगे 75 करोड़ की सौगाद, जगन्नाथ जी मंदिर में मंगला आरती में भी शामिल होंगे

अहमदाबाद । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह फिर एक बार गुजरात आ रहे हैं7 मंगलवार को रथयात्रा पर अमित शाह अहमदाबाद और गांधीनगर को 75 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट करेंगे।इससे पहले अहमदाबाद के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में रथयात्रा के प्रस्थान करने से पहले प्रातःकाल मंगला आरती में भी शामिल होंगे।बता दें कि केन्द्रीय अमित शाह पिछले कई वर्षों से रथयात्रा के प्रस्थान होने से पहले मंदिर में प्रातःकाल होनेवाली मंगला आरती में शामिल होते आए हैं।केन्द्रीय मंत्री अमित शाह 20 जून की सुबह अहमदाबाद के भगवान जगन्नाथ जी मंदिर में सुबह 3.45 जे मंगला आरती में शामिल होंगे।जिसके पश्चात अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा शहर के न्यू राणीप में बनाए गए पार्क का सुबह 9.15 बजे उदघाटन करेंगे। सुबह 9.30 बजे अमित शाह चांदलोडिया में जगतपुर रेलवे फ्लाइओवर ब्रिज का उदघाटन करेंगे।यह ब्रिज अहमदाबाद महानगर पालिका और रेलवे ने बनाया है। जिसके पश्चात अमित शाह अहमदाबाद के क्रेडाई गार्ड में पिपल्स पार्क का सुबह 10 बजे उदघाटन करेंगे। सुबह 11.30 बजे अमित शाह अहमदाबाद के बावला में त्रिमूर्ति अस्पताल की आधारशिला रखेंगे।

1.8 करोड़ भारतीय विदेशों में, विदेशों से 2022 में भेजे 8.84 लाख करोड़

नई दिल्ली ।भारतीय मूल के 1.8 करोड़ नागरिक दुनिया के कई देशों में फैले हुए हैं।वहां पर नौकरी और धंधा कर, वह हर साल अपनी कमाई का एक बड़ा अंश भारत भेजते हैं।वर्ष 2022 में भारत को प्रवासी भारतीयों ने 8.84 लाख करोड़ रुपए भेजे हैं।जो अभी तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।भारत की जीडीपी का 3 फीसदी हिस्सा प्रवासी भारतीयों से आया है।

बहनजी से गठबंधन पर अखिलेश का बयान, भाजपा को हराने सभी दल बड़ा दिल दिखाएं

लखनऊ (चतरा)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पटना में होने वाली विपक्षी एकता बैठक से पहले समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। अखिलेश ने बसपा सुप्रीमो मायावती से गठबंधन पर सवाल का जवाब देकर कहा कि अभी तक सपा ने जितने भी गठबंधन किए। सभी बड़ी ईमानदारी से निभाए गए। हमें उम्मीद है कि बीजेपी को हराने के लिए सभी दल बड़े दिल से सपा के साथ आएंगे। उन्होंने संकेत देकर कहा कि 2019 में बीजेपी को कोई हरा पाया था केवल सपा-बसपा ने हराया। हमारा मानना है कि यूपी से बीजेपी हार जाएगी उसी दिन राजनीति से बाहर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 23 जून को होने वाली मीटिंग में बहुत कुछ तय होगा। नए सुझाव भी निकलकर सामने आएंगे।

उन्होंने कहा कि 2017 में कांग्रेस से और 2019 में बसपा से हमने गठबंधन किया। हमारे वोट प्रतिशत बढ़े पर बीजेपी को हरा नहीं पाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी को हराने के सभी दल बड़ा दिल लेकर सपा के साथ आएं। जैसा कि सपा ने पहले के गठबंधनों में बड़ा दिल दिखाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने ईमानदारी से गठबंधन के लिए वोट डलवाए।

सपा और बसपा ने लोकसभा चुनाव 2019 का चुनाव साथ मिलकर लड़ा था। इसके अलावा राष्ट्रीय लोकदल पार्टी भी गठबंधन में शामिल थी। हालांकि गठबंधन कुछ खास प्रभावित नहीं कर सका था। यूपी की 80 सीटों में से सपा को महज 5, तब बसपा को 10 सीटों पर जीत हासिल हो सकी थी। चुनाव के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने आरोप लगाया था कि सपा का वोट बसपा को नहीं मिला और गठबंधन से अलग होने का ऐलान कर दिया था।

दरअसल, बीजेपी सरकार को हराने के लिए विपक्षी एकता पर भाजपा विरोधी दलों की बैठक अब 23 जून को पटना में होगी। इसमें शामिल होने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित ज्यादातर विपक्षी दलों के आला नेताओं ने सहमति दे दी है। इनके अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमत सोरेन, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डी. राजा, माकपा के राष्ट्रीय सचिव सीताराम येचुरी और भाकपा माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने भी 23 जून की बैठक में शामिल होने पर हामी भरी है।

आदिपुरुष विवाद : किसी की भावनाएं आहत करने का अधिकार नहीं : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। भगवान राम के जीवन पर आधारित फिल्म आदिपुरुष को लेकर हुए विवाद के बाद केंद्र सरकार भी हरकत में आ गई है।सूचना एंव प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने दो टूक कहा है कि किसी भी व्यक्ति को किसी की भावनाएं आहत करने का अधिकार नहीं है। इसकारण अब फिल्म के डायलॉग में परिवर्तन करने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा, 'सीबीएफसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) ने इसपर जो निर्णय करना है वहां किया है। जो सीबीएफसी का काम भी है।फिल्म के निर्माता-निदेशक है, जो फिल्म के लेखक भी हैं, उन लोगों ने फिल्म के डायलॉग बदलने की बात कही है। किसी की भी भावनाओं को आहत करने का अधिकार किसी को नहीं है। आदिपुरुष फिल्म के खिलाफ हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की तरफ से दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका भी लगाई गई है।याचिका में कहा गया है कि फिल्म में भगवान श्रीराम का मजाक उड़ाया गया है। लिहाजा कोर्ट से फिल्म को बैन करने की मांग की गई है।जिन लोगों ने फिल?म आदिपुरुष को देखा है उनका कहना है कि इसमें जिस तरह की भाषा का प्रयोग हुआ है, वहां भगवान श्रीराम और रामायण के वक्त पर त्रेता युग की भाषा से मेल नहीं खाती है। फिल्म में एक स्थान पर डायलॉग का इस्तेमाल किया गया है, 'तेरी जली ना?' इतना ही नहीं एक अन्य जगह लाइन है 'तेल तेरे बाप का आग तेरे बाप की।

उत्तराखण्ड में बोले राजनाथ सिंह, यूसीसी को लेकर विवाद क्यों, यह हमारे देश के डायरेक्टिव प्रिंसिपल्स का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज उत्तराखंड दौरे पर हैं। उत्तराखण्ड में उन्होंने प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड को नौ महत्वाकांक्षी परियोजनाएं दी है जिन्हें उन्होंने नवरत्न का नाम दिया है। इन नवरत्न परियोजनाओं पर आज काम तेजी से चल रहा है। उदाहरण के लिए ऋषिकेश-कर्ण प्रयास रेल परियोजना का काम चल रहा है। इसी तरह टनकपुर-बागेश्वर रेलवे लाईन का भी काम शुरू हो रहा है।

उत्तराखण्ड शौर्य भूमि

राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि के साथ-साथ वीर भूमि, शौर्य भूमि और सैन्य भूमि भी मानी जाती है। यह वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली की भी भूमि है जिनके शौर्य और पराक्रम का यशगान आज तक होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड को नौ महत्वाकांक्षी परियोजनाएं दी है जिन्हें उन्होंने नवरत्न का नाम दिया है। उन्होंने कहा कि इन नवरत्न परियोजनाओं पर आज काम तेजी से चल रहा है। उदाहरण के लिए ऋषिकेश-कर्ण प्रयास रेल परियोजना का काम चल रहा है। इसी तरह टनकपुर-बागेश्वर रेलवे लाईन का भी काम शुरू हो रहा है।

उत्तराखण्ड के विकास पर फोकस

राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड में इंफ्रा के विकास पर भाजपा सरकारों का कितना बड़ा फोकस है उसका पता इसी बात से चलता है कि साल 2014 में उत्तराखण्ड में रेलवे का बजट था मात्र 200 करोड़ जो आज बढ़कर 5000 करोड़ रूपए हो गया है। उन्होंने कहा कि मॉर्गन स्टेनली के अनुसार 2027 तक भारत पाँच ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादन देश में एक लाख करोड़ के पार। पहले रक्षा निर्यात एक हज़ार करोड़ से भी कम अब निर्यात 16000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर। जल्द ही देश में रक्षा निर्यात 20000 करोड़ रुपये के पार हो जायेगा।

यूसीसी पर बड़ी बात

समान नागरिक संहिता को लेकर बड़ी बात कहते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड हमारे देश के डायरेक्टिव प्रिंसिपल्स का हिस्सा है। इस पर विवाद क्यों? गोवा में यह पहले से ही लागू है। मैं बधाई देता हूँ मुख्यमंत्री पुष्कर धामी जी को जिन्होंने इस दिशा में पहल की है। अब विधि आयोग इस बारे में पूरे देश में राय ले रहा है। उन्होंने कहा कि हम समाज के सभी वर्गों के बीच सामाजिक सौहार्द चाहते हैं। हम पूरे समाज को साथ लेकर चलना चाहते हैं। कई बार आगे बढ़ते भारत को देख राष्ट्रविरोधी ताक़तें सक्रिय हो जाती हैं। उनसे सावधान रहने की ज़रूरत है।

चुनाव से पहले कांग्रेस के ऑडियो लीक पर बीजेपी ने की घेराबंदी

उज्जैन (एजेंसी)। विधान सभा चुनावों से पहले ही कांग्रेस के ऑडियो लीक की चर्चा जोरों पर है। इधर भाजपा को भी इस मामले में घेराबंदी करने का मौका मिल गया है। बता दें कि इन दिनों मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले एक ऑडियो लीक पर बहस हो रही है। कांग्रेस के दो नेताओं के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद जहां पार्टी हरकत में है तो भारतीय जनता पार्टी को भी घेराबंदी का मौका मिल गया है। बातचीत के केंद्र में कांग्रेस नेता नूरी खान हैं, जिन्हें उज्जैन से टिकट का दावेदार बताया जा रहा है। इस बातचीत में कहा गया है कि धार्मिक नगरी से किसी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया जा सकता है। इस पर भाजपा नेता और मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को इस पर बोलना चाहिए। जहां कांग्रेस अपने नेता पर ऐक्शन ले रही है वहीं इस पूरे प्रकरण से बीजेपी को कांग्रेस की घेराबंदी का मौका मिल गया है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि प्रियंका गांधी को इस पर बोलना चाहिए कि उनकी नेता के साथ क्या हो रहा है। उन्होंने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अल्पसंख्यक वर्ग को हमेशा से वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया है। लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा देने वाली प्रियंका गांधी वाड्रा जी को उज्जैन में उनकी पार्टी की महिला नेत्री के साथ जो कुछ हो रहा है उस पर भी बोलना चाहिए।

जानकारी के अनुसार हाल ही में कांग्रेस के दो नेताओं के बीच बातचीत का एक ऑडियो वायरल हो गया। उज्जैन समेत पूरे प्रदेश में इसको लेकर सियासत तेज हो गई। बातचीत उज्जैन के कांग्रेस के शहर अध्यक्ष रवि भदौरिया और एक अन्य नेता के बीच हुई थी। इसमें सबसे बड़ी बात यह कही जाती है कि धार्मिक नगरी में किसी मुस्लिम नेता को टिकट नहीं दिया जाएगा। रवि भदौरिया ने इसे फर्जी बताते हुए भाजपा पर एडिट करके प्रसारित करने का आरोप लगाया। वहीं ऑडियो में कही गई बातों से संभावित नुकसान को देखते हुए कांग्रेस ने तुरंत भदौरिया पर ऐक्शन लिया। प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने तत्काल प्रभाव से भदौरिया को पद से हटा दिया। वायरल ऑडियो को लेकर कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिंह ने एक नोटिस जारी किया और तीन दिन के भीतर सफाई देने को कहा।

पंजाब में एनसीबी की स्थापना के पीछे भाजपा का राजनीतिक स्वार्थ : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब में एनसीबी की स्थापना को लेकर आरोप प्रत्यारोप शुरु हो गए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने केंद्र द्वारा एनसीबी के दुरुपयोग की आशंका जताते हुए सोमवार को कहा कि भाजपा राजनीतिक लाभ पाने के लिए अमृतसर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का कार्यालय स्थापित कर रही है। सिंह ने ट्वीट करते हुए आरोप लगाया कि पंजाब में

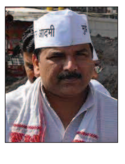

व्यापक रूप से फैली नशे की लत के लिए काफी हद तक भाजपा-अकाली सरकार जिम्मेदार है। जब भाजपा ही गलत कामों में शामिल है, तो उसके कार्यकर्ता गांवों में जाकर क्या प्रचार करेंगे? केंद्रीय गौरतलब है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सरकार एक महीने के भीतर पंजाब के अमृतसर में एनसीबी कार्यालय खोलने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश को नशे की लत से मुक्ति दिलाने और पंजाब में नशे के व्यापार को जड़ से उखाड़ने की दिशा में काम कर रही है। नशे की लत के खिलाफ लड़ने के लिए, एक महीने के भीतर अमृतसर में एनसीबी का एक कार्यालय खोला जाएगा, और इसके बाद, भाजपा कार्यकर्ता हर गांव में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू करेंगे।

आप के संजय सिंह से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी एनसीबी कार्यालय खोले जाने को लेकर भाजपा की आलोचना की थी। केंद्रीय गृह मंत्री के ट्वीट को शेयर करते हुए केजरीवाल ने हिंदी में ट्वीट किया कि आप अमृतसर में एनसीबी का कार्यालय खोलेंगे या भाजपा का। और एनसीबी भाजपा कार्यकर्ताओं के माध्यम से हर गांव में कैसे काम कर सकती है। क्या इसका मतलब यह है कि आपको पंजाब में नशीली दवाओं के खतरे की चिंता नहीं है।

महाराष्ट्र में मानसून सत्र से पहले होगा शिंदे सरकार का कैबिनेट विस्तार

10 नए मंत्रियों को कैबिनेट में जगह मिलेगी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की भाजपा और एकनाथ शिंदे सरकार का कैबिनेट विस्तार होने वाला है। मंत्रियों के नामों पर चर्चा लगभग फाइनल फेज में है और जल्दी ही फाइनल फैसला हो सकता है। बीते साल जून में ही बनी इस सरकार का पूरे एक वर्ष बाद कैबिनेट विस्तार होने जा रहा है। पहले ही चर्चा थी कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही सरकार के विस्तार पर निर्णय होगा। फिलहाल भाजपा और शिवसेना के उन विधायकों की कैबिनेट विस्तार पर नजर है, जो मंत्री का पद चाहते हैं। फडणवीस के करीबी नेता गिरीश महाजन का कहना है कि कैबिनेट विस्तार पर बातचीत आखिरी दौर में हैं। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के लिहाज से भी यह कवायद हो रही है।

कुल 10 नए मंत्रियों को कैबिनेट में जगह दी जाएगी। इसके अलावा इसकी पूरी संभावना है कि किसी एक महिला को भी कैबिनेट में जगह दी जाए। यह भी हो सकता है कि भाजपा और शिंदे गुट की ओर से एक-एक महिला मंत्री दे दी जाएं। अभी इस बात पर चर्चा है कि कौन लोग मंत्री होने हैं, और किसे कौन सा विभाग दिया जाए। शिंदे ही तय करने वाले हैं कि शिवसेना से किसे मौका मिलेगा। महाजन ने कहा कि भाजपा के मंत्रियों का फैसला हाईकमान लेगा और किसी को भी मौका मिल सकता है।

पिछले कई महीनों से यह चर्चा रही है कि महाराष्ट्र सरकार का कैबिनेट विस्तार हो सकता है। खबर है कि 17 जुलाई को शुरू होने वाले मॉनसून सत्र से पहले कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। अभी भाजपा और शिंदे ग्रुप के 9-9 मंत्री कैबिनेट का हिस्सा हैं। यह शिंदे और फडणवीस को छोड़कर हैं। हालांकि इसके बाद भी दोनों तरफ से विधायकों की असहमति है। शिंदे पर तब 30 विधायकों का दबाव है, जो मंत्री पद चाहते हैं। ये लोग उद्धव ठाकरे से बगावत करके शिंदे के साथ आए थे और अब इनका कहना है कि उन्हें प्रतिफल मिलना चाहिए।

पहले चर्चा थी कि कैबिनेट विस्तार 2 जून तक हो जाएगा। लेकिन इस पर बात आगे नहीं बढ़ सकी, फिर इस 19 जून तक के लिए टाल ही दिया गया। आज ही 19 जून है और शिवसेना का स्थापना दिवस भी है। अब तक कैबिनेट विस्तार को लेकर कोई चर्चा नहीं है, लेकिन मॉनसून से पहले इस पर मुहर लगने की पूरी संभावना है।

पीएम मोदी की पिछली अमेरिकी यात्रा से बहुत अलग हैं इस बार की उनकी यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाशिंगटन दौरे से कुछ दिन पहले उनके स्वागत का संदेश भेजने के लिए सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी रविवार की रात संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित स्थानों पर एकत्र हुए। वाशिंगटन डीसी क्षेत्र और उसके आसपास के कुछ सौ भारतीय-अमेरिकी एकता का संदेश देने के लिए राष्ट्रीय स्मारक के पास एकत्र हुए और प्रधानमंत्री को बताया कि वे शहर में उनके आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को अमेरिका की राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं और एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र में योग दिवस 2023 मनाने के समारोह में शामिल होने के बाद 22 जून को कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करने वाले हैं।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के लिए दुनिया का सुपरपावर मुल्क अमेरिका 22 जून को लाल कालानी बिछाए नजर आएगा और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के तीसरे इसतरह नेता बनने की उपलब्धि हासिल करने वाले हैं, जिन्हें मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से ये सम्मान प्राप्त होगा। इसके पहले बाइडेन की तरफ से फ्रांस के इमानुएल मैक्रों और दक्षिण कोरिया के यून सुक येओल को ही राजकीय यात्रा और भोज के लिए आमंत्रित किया गया। पीएम मोदी की पिछली अमेरिका यात्राओं को वर्किंग विजिट (2014), वर्किंग लंच (2016) और आधिकारिक वर्किंग विजिट (2017) बताया गया था। वर्ष 2019 की उनकी यात्रा को अमेरिकी विदेश विभाग की वेबसाइट में ऐसी यात्रा बताया गया कि जिसमें उन्होंने ह्यूस्टन, टेक्सास में एक रैली मे भाग लिया।

राजकीय यात्राएं राज्य/सरकार के प्रमुख के नेतृत्व में विदेशी देशों की यात्राएं होती हैं, जो उनकी संप्रभु क्षमता में कार्य करती हैं। इसलिए उन्हें आधिकारिक तौर पर राजनेता का नाम की यात्रा के बजाय स्टेट विजिट के रूप में वर्णित किया जाता है। अमेरिका की राजकीय यात्राएँ केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर होती हैं, जो राज्य के प्रमुख के रूप में उनकी क्षमता में कार्य करते हैं। पीएम मोदी का यह दौरा ग्लोबल परिवेश में बेहद अहम माना जा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन की आक्रामक विस्तारवादी नीतियों के बीच इसे निर्णायक माना जा रहा है। हालांकि, रूस और यूक्रेन युद्ध में भारत अब तक तटस्थ ही है, लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों का दबाव है कि भारत रूस के खिलाफ सख्त स्टैंड लें।

अमेरिका में गोलीबारी की घटनाओं में करीब छह लोगों की मौत

पेनसिल्वेनिया । अमेरिका में सप्ताहांत में गोलीबारी की घटनाओं में करीब छह लोग मारे गए और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। विश्लेषकों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान से अमेरिका में हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। हिंसा और गोलीबारी की ताजा घटनाएं शिकागो, वाशिंगटन, मध्य पेंसिल्वेनिया, सेंट लुइस, सदर्न कैलिफोर्निया और बाल्टीमोर में हुईं। अधिकारियों ने बताया कि शिकागो में कार्यक्रम के लिए इकट्ठा हुए लोगों पर गोलियां चलाई गईं जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शिकागो के दक्षिण-पश्चिम में लगभग 20 मील की दूरी पर इलिनोइस के विलोब्रुक में एक सभा के दौरान कुछ लोगों ने गोलियां चलाईं। रिपोर्ट में कहा कि हमले का मकसद तत्काल पता नहीं चल सका है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि यह सभा टेक्सास के गैल्वेस्टन में 1865 में लोगों को दासता से मुक्ति मिलने की याद में मनाए जाने वाले 'जुनेतीन्थ' के मौके पर आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा,'' हमें गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं और हम बचने के लिए वहीं नीचे बैठ गए।'' गोलीबारी की दूसरी घटना वाशिंगटन में हुई है। कुछ लोग कैंपग्राउंड में संगीत के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए इकट्ठा हुए थे तभी अचानक एक व्यक्ति ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इसमें दो लोग मारे गए और दो घायल हो गए। हमलावर को पकड़ लिया गया है। वहीं पेनसिल्वेनिया में एक पुलिस चौकी पर गोलीबारी की घटना में एक सैनिक मारा गया और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध शनिवार को पूर्वाह्न लगभग 11 बजे अपने ट्रक को लेविस्टाउन बैरक की पार्किंग में ले आया और उसने गश्ती कारों पर राइफल से गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि 45 वर्षीय लेफ्टिनेंट जेम्स वैगनर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं सैनिक जैक रैगर जूनियर (29) की गोली लगने से मौत हो गई। लेफ्टिनेंट कर्नल जॉर्ज बिवेन्स ने बताया कि भीषण मुठभेड के दौरान 38 वर्षीय संदिग्ध को गोली मार दी गई। गोलीबारी के कारणों के बारे में अभी पता नहीं चल सका है। सेंट लूइस में गोलीबारी में 17 वर्षीय एक युवक मारा गया वहीं सदर्न कैलिफोर्निया में गोलीबारी में आठ लोग घायल हो गए। रिपोर्ट में बताया कि कैलिफोर्निया के कार्सन में आधी रात के बाद अधिकारियों को भेजा गया था। बाल्टीमोर में शुक्रवार रात गोलीबारी की घटना में छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रात नौ बजे से कुछ पहले शहर के उत्तर में गोलियां चलने की आवाजें सुनी और घटनास्थल पर तीन लोगों को घायल अवस्था में पाया। उन्हें इलाज के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया। गौरतलब है कि हाल के दिनों में देश में लोगों पर गोलियां चलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।

वेस्ट बैंक में गोली लगने नाबालिग सहित तीन फलस्तीनियों की मौत

यरूशलम । वेस्ट बैंक के जेनिन शहर की सड़कों पर चरमपंथियों के साथ भीषण संघर्ष में इजराइली सैनिकों की गोली लगने से एक नाबालिग सहित तीन फलस्तीनियों की मौत हो गई और इस दौरान कम से कम 29 लोग घायल हुए हैं। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। वेस्ट बैंक में पिछले एक साल से अधिक समय से लगभग रोजाना हिंसा की घटनाएं सामने आती हैं। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मृतकों की पहचान खालिद असासा (21), कासम अबू सरिया (29) और अहमद सक्र (15) के तौर पर की है। इतना ही नहीं कम से कम चार अन्य लोग गोलीबारी में बुरी तरह जख्मी हुए हैं। इजराइली सेना ने घटना पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इजराइल के मीडिया ने कहा कि संघर्ष में कई इजराइली सैनिक घायल हो गये। जेनिन के बताए जा रहे कुछ अपुष्ट वीडियो में इस इजराइली सैन्य हेलीकॉप्टर को सेना के अभियान के दौरान रॉकेट छोड़ते हुए देखा जा सकता है।

यूरोप में शरण लेने जा रहे 300 से अधिक पाकिस्तानियों की नाव डूबने से मौत

कराची । नाव डूबने से 300 से अधिक पाकिस्तानियों की मौत होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार ग्रीस के तट पर एक भरी हुई नाव के पलट जाने से 300 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि युद्ध, उत्पीड़न और गरीबी से परेशान ये लोग यूरोप में शरण लेने के इरादे से जा रहे थे। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की सीनेट के अध्यक्ष मुहम्मद सादिक संजरानी ने एक बयान में मृतकों की संख्या का खुलासा किया। हालांकि ग्रीक अधिकारियों ने अभी तक पाकिस्तान के मरने वालों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि पाकिस्तान दशकों में अपने सबसे खराब आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बेहतर भविष्य की तलाश में खतरनाक रास्तों से यूरोप जाने वाले पाकिस्तानियों का मामला पूरे देश में गूंज रहा है। इधर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नाव डूबने से मरने वालों के लिए सोमवार को राष्ट्रीय शोक घोषित किया। एक ट्वीट में उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। शरीफ ने लिखा, मैं देश को विश्वास दिलाता हूं कि अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। जांच के बाद जिम्मेदारी तय की जाएगी और कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी (आईओएम) ने कहा कि पिछले सप्ताह नाव पलटने के दौरान करीब 750 पुरुष, महिलाएं और बच्चे इसमें सवार थे। हादसे में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। यह भूमध्य सागर में सबसे खराब त्रासदी में से एक थी।

आदिपुरुष का विवाद पहुंचा नेपाल, काठमांडू में हिंदी फिल्मों का प्रदर्शन बंद

काठमांडू । फिल्म 'आदिपुरुष का विवाद अब नेपाल में भी पहुंच गया है, जहां सीता के चित्रण को लेकर लोग विरोध कर रहे हैं। फिल्म में आपत्तिजनक शब्दों और सीता के चित्रण को लेकर नेपाल में बवाल मचा हुआ है। नजीतन सोमवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। शहर के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह घोषणा की थी। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने काठमांडू महानगरीय क्षेत्र में सभी हिंदी फिल्मों पर प्रतिबंध लगाये जाने संबंधी फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 'आदिपुरुष फिल्म के एक संवाद को हटाये बिना प्रदर्शित करने से अपूरणीय क्षति होगी। मेयर शाह ने अपनी फेसबुक पोस्ट में कहा कि सोमवार, 19 जून से काठमांडू महानगरीय क्षेत्र में सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाएगी, क्योंकि फिल्म 'आदिपुरुष के संवाद में आपत्तिजनक शब्द अभी तक नहीं हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने तीन दिन पहले फिल्म से 'सीता माता भारत की बेटी हैं वाले संवाद के आपत्तिजनक हिस्से को तीन दिन के भीतर हटाने के लिए पहले ही नोटिस जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति दी जाती है तो हमारी राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक एकता को अपूरणीय क्षति होगी। इसके बावाजूद मेयर शाह राजधानी शहर के सभी 17 सिनेमाघरों में वर्तमान में दिखाई जा रही सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन को रोकने के लिए भी प्रतिबद्ध दिखे। फिल्म के प्रदर्शन को लेकर केएमसी के प्रवक्ता नवीन मनंधर ने कहा कि केएमसी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार काठमांडू के सभी सिनेमाघर सोमवार से भारतीय फिल्मों का प्रदर्शन बंद कर देंगे। हम पहले ही काठमांडू में सिनेमाघर मालिकों से सहयोग के लिए बात कर चुके हैं और वे सोमवार से काठमांडू के सिनेमाघरों में स्वेच्छा से हिंदी फिल्मों की स्क्रीनिंग बंद करने पर सहमत हो गए हैं। सिनेमाघर सोमवार से हिंदी फिल्में दिखाने के बजाय नेपाली फिल्में दिखा सकते हैं। गौरतलब है कि आदिपुरुष शुक्रवार को पूरे भारत में हिंदी के साथ तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और तमिल भाषाओं में भी रिलीज हुई है।

नशे में धुत होकर फ्लाइट में क्रू मेंबर्स से बदतमीजी करने वाला गिरफ्तार

दुबई । फ्लाइट में क्रू मेंबर्स से बदतमीजी करने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार अबू धाबी से उड़ान भरने के बाद विमान में शोर मचाने के आरोप में केरल के 51 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि बाद में उसे जमानत पर छोड़ दिया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि जिजान जैकब नाम के एक व्यक्ति को आज सुबह कोच्चि जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान से कोच्चि अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। विमान के चालक दल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया, ऐसा संदेह है कि व्यक्ति शराब के नशे में था। वह कुछ सह-यात्रियों और चालक दल के सदस्यों से छोटी-छोटी बातों को लेकर उलझ रहा था।

बाली ऑर्टस समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए कलाकार।

ग्रीस नाव त्रासदी में एक्शन में शाहबाज सरकार, मानव तस्करों का पता लगाने में जुटी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने ग्रीस नाव त्रासदी के पीछे मानव तस्करों का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच की घोषणा की, जिसके कारण भूमध्य सागर में सैकड़ों नागरिकों की मौत हो गई। अब तक पाकिस्तान में कई स्थानों से मानव तस्करी के लिए जिम्मेदार कम से कम 10 उप-एजेंटों को गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 400 पाकिस्तानी, 200 मिस्र और 150 सीरियाई, जिनमें लगभग दो दर्जन सीरियाई महिलाएं और छोटे बच्चे शामिल हैं, ट्रॉलर पर यात्रा कर रहे थे। हालाँकि, ग्रीस प्रशासन या पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी कि लापता 500 प्रवासी मृत हैं या अभी भी जीवित हैं। कई मीडिया ने बताया कि इस्लामाबाद के नागरिक ने सभी के मारे जाने की बात कही हैं। नौका हादसे में सैकड़ों लोगों के लापता होने से देश शोक में है। जैसा कि घटना ने कंगाल राष्ट्र में नागरिकों की विकट स्थिति को उजागर किया, पीएम शरीफ ने तस्करी की जांच के लिए एक समिति का गठन किया, क्योंकि उन्होंने नाव त्रासदी के कारण शोक की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा, कल, राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और मृतकों के लिए विशेष प्रार्थना की जाएगी। चार सदस्यीय समिति एक सप्ताह में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। हताहतों की संख्या का पता लगाया जा रहा है। जांच समिति नाव त्रासदी के तथ्यों का पता लगाएगी और प्रवर्तन तंत्र में खामियों की पहचान करेगी जिसने पाकिस्तानियों को इस विशेष मामले में मानव तस्करी की सनक से अवगत कराया। रविवार को गिरफ्तार किए गए लोगों में प्रमुख मानव तस्कर चौधरी जुल्करनैन, तलत कियानी, खालिद मिर्जा और साजिद महमूद के सब-एजेंट या एजेंट शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, संदिग्धों ने तस्करों के नाम और उनकी कार्यप्रणाली सहित चौंकाने वाले खुलासे किए।

मोदी, मस्जिद और मुस्लिम देश, मिस्र का दौरा क्यों है विशेष?

शेख जायद, इस्तिकलाल के बाद अब अल-हकीम मस्जिद की बारी

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। 2015 में अबू धाबी में शेख जायद ग्रैंड मस्जिद और 2018 में इंडोनेशिया की भव्य इस्तिकलाल मस्जिद के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह मिस्र की अपनी पहली यात्रा के दौरान ओल्ड काहिरा में ऐतिहासिक अल-हकीम मस्जिद का दौरा करेंगे। लगभग 1,000 साल पुरानी अल-हकीम मस्जिद को दाऊदी बोहरा समुदाय की मदद से छह साल में बहाल किया गया है और हाल ही में इसे फिर से खोल दिया गया। सरकारी अधिकारियों ने पीएम मोदी द्वारा इस तरह की मस्जिद यात्राओं को महत्वपूर्ण बताया और पीएम को इस्लामिक राष्ट्रों की धार्मिक मान्यताओं के बारे में जानकारी थी।

यूएई में पीएम ने शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का किया था दौरा

पीएम ने 2015 में यूएई का दौरा किया था और शेख जायद मस्जिद गए थे, जो दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मस्जिद है। संयुक्त अरब अमीरात के शीर्ष नेतृत्व के हवाईअड्डे पर उनकी अगवानी करने के बाद पीएम मोदी ने शेख जायद मस्जिद विजिट किया था। 2018 में पीएम ने रमजान के पवित्र महीने में इंडोनेशिया में इस्तिकलाल मस्जिद का दौरा किया था। यह इंडोनेशिया की राष्ट्रीय मस्जिद और दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद है।

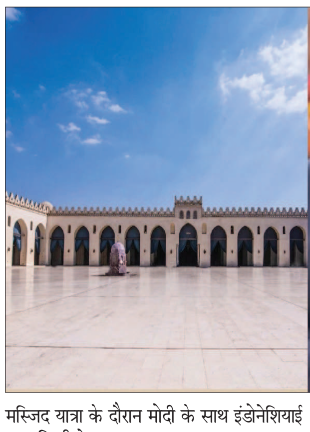

मस्जिद यात्रा के दौरान मोदी के साथ इंडोनेशियाई राष्ट्रपति भी थे।

मिस्र यात्रा के दौरान अल-हकीम मस्जिद जाएंगे पीएम मोदी

छठे फातिमिद खलीफा के नाम पर बनी मस्जिद काहिरा के मध्य में स्थित है और इस साल की शुरुआत में खुलने से पहले 2017 से इसका जीर्णोद्धार और जीर्णोद्धार किया गया है। दाऊदी बोहरा समुदाय, जिसके भारत के साथ मजबूत संबंध हैं, ने मस्जिद के जीर्णोद्धार के लिए सह-वित्त पोषित किया है। उम्मीद है कि अल-हकीम मस्जिद की यात्रा के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी पीएम मोदी के साथ होंगे। भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में 'मुख्य अतिथि' के रूप में शामिल होने के बाद एल-सिसी के निमंत्रण पर 24-25 जून तक अरब गणराज्य मिस्र में पीएम मोदी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा का हिस्सा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकेन ने बातचीत के रास्ते खुले रखने पर दिया जोर

-चीन के शीर्ष राजनयिक के साथ बैठक के दौरान अनेक मुददों पर हुई चर्चा

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते खुले रखने पर जोर दिया है। ब्लिंकन चीन की अपनी यात्रा के दूसरे व अंतिम दिन की शुरुआत एक शीर्ष राजनयिक के साथ बैठक से की और दिन में उनकी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात करने की संभावना है। फिलहाल विदेश मंत्री ब्लिंकन चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी के साथ बैठक कर रहे हैं। वह स्वदेश लौटने से पहले राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात भी कर सकते हैं। बैठक में ब्लिंकन और वांग दोनों ने एक दूसरे का अभिवादन किया और बातचीत के लिए बैठे ,लेकिन उन्होंने पत्रकारों से कोई बात नहीं की। बढ़ते द्विपक्षीय तनाव को कम करने के मिशन पर बीजिंग पहुंचे ब्लिंकन ने रविवार को करीब छह घंटे तक चीन के अपने समकक्ष छिन कांग के साथ व्यापक बातचीत की थी। बैठक में दोनों पक्ष उच्च स्तरीय बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए। हालांकि ऐसे कोई संकेत नहीं मिले कि दोनों देशों के बीच जिन मुद्दों को लेकर विवाद है उनके समाधान की दिशा में कोई प्रगति हुई है। दोनों पक्षों ने कहा कि छिन ने ब्लिंकन के वाशिंगटन आने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है।

चीन ने स्पष्ट किया कि चीन-अमेरिका के बीच संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर हैं। अमेरिकी अधिकारी भी कई बार ये बात कह चुके हैं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ब्लिंकन ने गलत धारणा बनने और स्थिति को गलत आंकने के खतरे को कम करने के लिए कूटनीति के महत्व और मुद्दों पर बातचीत के रास्ते खुले रखने पर जोर दिया। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के पदभार ग्रहण करने के बाद से ब्लिंकन चीन की यात्रा करने वाले सर्वोच्च स्तर के पहले अमेरिकी अधिकारी हैं। वह पिछले पांच वर्षों में बीजिंग की यात्रा करने वाले पहले अमेरिकी विदेश मंत्री हैं। चीन की राजधानी में ब्लिंकन की उपस्थिति के बावजूद दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच मौजूद जटिल मुद्दों पर कोई भी महत्वपूर्ण सफलता मिलने की उम्मीद कम ही है।

इमरान खान पर फिर लटकी गिरफ्तारी की तलवार? बहन और जीजा भी फंसे

– 625 एकड़ भूमि फर्जी तरीके से औने-पौने दाम पर खरीदने का मामला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 5,000 कनाल (625 एकड़) भूमि फर्जी तरीके से औने-पौने दाम पर खरीदने से जुड़े एक मामले में भ्रष्टाचार रोधी संस्था (एसीई) के समक्ष पेश होने को कहा गया है। एसीई के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लैय्या जिले में भ्रष्टाचार के एक मामले में इमरान खान, उनकी बहन उज्मा खान और उनके पति अहद मजीद को समन जारी किया गया है। एक अंग्रेजी अखबार की खबर के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख इमरान खान (70) को 19 जून को एसीई मुख्यालय में, जबकि उज्मा और उनके पति को एसीई महानिदेशक के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है। प्रवक्ता ने दावा किया कि एसीई के पास, लैय्या भ्रष्टाचार मामले में इमरान खान की संलिप्तता के स्पष्ट साक्ष्य हैं। उन्होंने कहा कि बानी गाला के राजस्व अधिकारियों पर अवैध भूमि हस्तांतरित करने के लिए दबाव डाला गया। इस्लामाबाद में इसी स्थान पर इमरान खान का आवास है। उज्मा पर जिले में 5,261 कनाल भूमि खरीद में कथित फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। इस भूमि का बाजार मूल्य करीब छह अरब डॉलर है, जबकि यह महज 13 करोड़ पाकिस्तानी रुपए में खरीदी गई।

एसीई ने कहा कि प्राथमिकी दंपती के खिलाफ दर्ज की गई है। प्रवक्ता के मुताबिकि भूमि फर्जी तरीके से 2021-22 में खरीदी गई और उज्मा और मजीद ने अपने नाम पर भूमि का फर्जी हस्तांतरण किया। यह भूमि उस वक्त खरीदी गई, जब एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने ग्रेटर थाल कनाल परियोजना के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की थी। उज्मा को परियोजना के बारे में पहले से जानकारी थी और दंपती ने भूस्वामी को अपनी जमीन उन्हें बेचने के लिए मजबूर किया। भूस्वामियों ने उनकी भूमि जबरन खरीदने के लिए उज्मा और अन्य के खिलाफ शिकायतें दायर की थीं।

यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को हथियार नहीं भेजेगा चीन, अमेरिका से ड्रैगन ने किया वादा

कीव (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को बीजिंग में कहा कि चीन ने यूक्रेन में लड़ने के लिए रूस को हथियार नहीं भेजने का वादा फिर से किया है, हालांकि उन्होंने निजी चीनी फर्मों के कार्यों पर चिंता व्यक्त की। ब्लिंकेन ने दो दिनों की बातचीत के बाद संवाददाताओं से कहा कि हमें और अन्य देशों को चीन से आश्वासन मिला है कि वह यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए रूस को घातक सहायता नहीं देगा। हमने ऐसा कोई सबूत नहीं देखा है जो इसका खंडन करता हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हालांकि, हमारे पास जो चिंताएं हैं, वे चीनी फर्में कंपनियां हैं जो ऐसी तकनीक प्रदान कर सकती हैं जिसका उपयोग रूस यूक्रेन में अपनी आक्रामकता को आगे बढ़ाने के लिए कर सकता है।

हमने चीनी सरकार से इस बारे में बहुत सतर्क रहने को कहा है। ब्लिंकन ने कहा कि चीन ने हाल के सप्ताहों में रूस पर आश्वासन दिया था और विशेष रूप से उनकी यात्रा के दौरान नहीं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगाया है कि चीन रूस को हथियार समर्थन देने पर विचार कर रहा है। चीन ने हाल ही में यूक्रेन पर अपनी कूटनीति को आगे बढ़ाया है, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा संदिग्ध रूप से देखा

गया एक कदम है जो मानता है कि रूस अपने क्षेत्रीय लाभ को वैध बनाने के लिए राजनयिक रास्ते तलाश रहा है।

यूके की सेना के पास न मिसाइल, न पनडुब?बी, कैसे होगा रुस से सामना

लंदन (एजेंसी)। हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि यूके की सेना के पास न तो मिसाइल हैं, न ही पनडुब्बी हैं, फिर रूस की सेना से मुकाबला कैसे होगा। इसी वजह से यूके के पीएम की चिंताएं बढ़ने लगी हैं। यूके की संसद में आई एक रिपोर्ट ने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को परेशान कर दिया है। इस रिपोर्ट ने ब्रिटिश सेनाओं की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट में सेनाओं की ताकत का मूल्यांकन किया गया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन और रूस आमने सामने हैं। इसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि ब्रिटेन के पास टियर-1 सशस्त्र बल या रूस और चीन जैसे देशों के खिलाफ देश की रक्षा के लिए जरूरी मारक क्षमता का अभाव है। इसमें लिखी गई बातें काफी गंभीर हैं और विशेषज्ञों के मुताबिक सुनक को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूके की सेनाएं पूरी तरह से खोखली हैं। क्योंकि आधुनिकीकरण कार्यक्रम के नाम पर जो फंड दिया गया, वह इसके लिए का कम था। इसने ब्रिटिश बलों की क्षमता में कमियों को सामने लाकर रख दिया है। इसके मुताबिक सेनाओं के पास ऐसे उपकरण हैं जो काफी पुराने पड़ चुके हैं। साथ ही उनके पास जरूरी वायु और मिसाइल रक्षा क्षमताओं की कमी, अपर्याप्त गोला-बारूद, क्लोज सपोर्ट यूनिट्स का अभाव और साथ ही एयर ट्रांसपोर्टेशन की भी भारी कमी है।

इधर हाउस ऑफ कॉमन्स की रक्षा समिति की इस रिपोर्ट को आंखें खोल देने वाला सच करार दिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नाटो के कई देश इस बात से वाकिफ हैं कि उनके पास बड़े स्तर पर रूस के बराबर रक्षा उत्पादन जैसी क्षमता नहीं है।

अंटार्कटिका की बर्फ 2030 के दशक में पिघलकर पूरी तरह हो जाएगी खत्म

-कार्बन उत्सर्जन रोकने की कोशिशों भी नहीं आएगी काम

लंदन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों के अनुसार अंटार्कटिका महासागर में बनी बर्फ की परत 2030 के दशक में पिघलकर पूरी तरह खत?म हो जाएगी। उनका कहना है कि हर साल सितंबर में अंटार्कटिका में बर्फ की परत की मोटाई सबसे कम होती है। शोधकर्ताओं ने आशंका जताई है कि अगले दशक में ही ऐसा सितंबर आएगा, जब आर्कटिक में बर्फ पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने अनुमान जताया था कि 2040 के दशक में अंटार्कटिका महासागर पर बनी बर्फ की परत पिघलकर पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। अब वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि तेजी से घट रही ये बर्फ की परत पिछले अनुमानों से 10 साल पहले ही यानी 2030 के दशक में ही पूरी तरह खत्म हो जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये सब कार्बन उत्सर्जन को घटाने की कोशिशों के बाद भी ऐसा होगा1

वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट्स से लगातार 40 साल तक जुटाए गए डाटा के विश्लेषण से उत्तरी ध्रुव के आसपास के इलाके में समुद्र पर जमी बर्फ की परत में आ रही गिरावट का अध्ययन किया है। अध्ययन में पता चला है कि अब हालात ऐसे हो गए हैं, जब कार्बन उत्सर्जन में जबरदस्त कमी करने के बाद भी 2030 से 2050 के बीच किसी सितंबर महीने में अंटार्कटिका में बर्फ गायब हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि सितंबर में अंटार्कटिका में बर्फ की परत की मोटाई सबसे कम होती है। यह रिपोर्ट दक्षिण कोरिया की पोहांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के मिन सेऊंग के नेतृत्व में प्रकाशित हुई है। शोधकर्ताओं ने 1979 से 2019 के बीच आर्कटिक में बर्फ की मोटाई के हर महीने के आंकड़ों का अध्ययन किया है। इसके बाद आंकड़ों की तुलना कंप्यूटर सिम्युलेशन से करके भविष्य का अनुमान लगाया गया है। संयुक्त राष्ट्र की पर्यावरण पर काम करने वाली समिति आईपीसीसी ने हाल में जारी रिपोर्ट में 2021-23 के लिए नतीजे बताए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया था कि इस सदी के मध्य से पहले अंटार्कटिका में किसी सितंबर में बर्फ खत्म नहीं होगी

हालांकि, इसमें कहा गया था कि बर्फ का खत्म होना ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की मात्रा पर निर्भर होगा। अब पोहांग यूनिवर्सिटी के अध्ययन की रिपोर्ट में कहा गया है कि अब ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कितना भी कम कर लिया जाए, लेकिन पिछले अनुमान से दस साल पहले ही आर्कटिक में बर्फ खत्म हो जाएगी। शोध में कहा गया है कि मानव समाज के पारिस्थितिकी तंत्र पर इसका बड़ा असर देखने को मिलेगा।

संपादकीय

समय का इस्तेमाल हो सही

कहते है कि जिसने अपने जीवन में समय का सही से इस्तेमाल किया वह अपने जीवन में आगे बढ़ा हुआ हमको दिखा हैं । जीवन के इससंग्राम में हमको सही से अपने जीवन में समय की नब्ज टटोल कर आगे से आगे बढ़ना है । बीमारी या और कोई अन्य व्यवधान आये तो उस हिसाब से हमको आगे सही चिन्तन से हर परिस्थिति में धैर्य रखते हुए आगे बढ़ना हैं । हमारा जीवन तथासमय हमेशा एक जैसा नहीं रहता है ।सुख और दुख का आना-जाना लगा ही रहता है । जिस प्रकार रात के बाद सुबह होती है उसीप्रकार दुख के बदल छट जाते है और खुशी के दिन आते हैं ।रात दुख का प्रतीक है और दिन सुख का प्रतीक हैं । जिस तरह पानी दोकिनारों के बीच बहते हुए आगे बढ़ता है उसी तरह जीवन में सुख और दुख दो किनारे हैं जीवन इन्ही के बीच चलता है । इस पर थोड़ाकिया गहन चिन्तन तो हमें समझ आ गया यह अकिंचन कि जीवन में मनचाहे को भी स्वीकारो तथा अनचाहे को भी स्वीकारो । दोनों हीस्थितियों में समता के भावों को मन व चिंतन मे उतारो । अनुकूल व प्रतिकूल दोनों ही स्थितियों को अपने गले लगाओ । खारी व मीठीहर तरह की दवा को बड़े उल्लास के साथ गटक जाओ । जो मान तथा अपमान दोनों ही परिस्थितियों को समान समझता है वह पथरीलीराह में चलकर भी ना कभी थकता है ना ही सिसकता है । कहते हैं कि इन्सान को समय सफल या असफल नहीं बनाता हैं ।बल्कि समयका सही इस्तेमाल व आदमी की लगन उसको सफल बनाते हैं । अत: हमें विपदाओं से कठिनाईयो से हार से हताश हुवें बिना, बिना रुकेदुगुने उत्साह से अपनी मंजिल की तरफ कदम बढ़ाते रहना चाहिए फिर देखें मंजिल (विजय) जीत सफलता हमारें कदमो में होगी।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यो में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वंदे भारत रेलगाड़ी बनने की अंदरूनी कसक

राजेश रामचंद्रन

प्रथम वंदे भारत को रवाना करने के बाद रेलवे बोर्ड अध्यक्ष और सतर्कता विभागाध्यक्ष ने दुर्भावनापूर्ण जांच शुरू कर दी, परिणामस्वरूप परियोजना में जिम्मेवारी उठाकर भूमिका निभाने वाले अधिकारियों पर अभियोगपत्र दाखिल हुआ। उनका अपराध इतनाभर था कि वे एक सफल टीम का हिस्सा थे। जाहिर है, एक अभियोगपत्रयापता व्यक्ति को आगे पदेन तरक्की नहीं दी जाती। इसलिए उन्हें चुप रहकर यह सहना पड़ा। इसी बीच, परिदृश्य में सीआरआरसी कॉर्पोरेशन नामक चीनी कंपनी की प्रवृष्टि होने से एक उप-साजिश चल निकली। रेलवे बोर्ड में सदा से ऐसे दलालों और मध्यस्थतों का आना-जाना रहा है जो देश-विदेश के विभिन्न उत्पादकों या सेवा-प्रदाताओं के हित साधते हैं।

वंदे भारत रेलगाड़ियों को लेकर लोगों में उत्सुकता इतनी ज्यादा है कि ओडिशा के बालासोर रेल हादसे के बावजूद यह बरकरार है। जिस त्रासदी ने 289 यात्रियों की जिंदगी लील ली और जो भारतीय रेल इतिहास की सबसे भीषण दुर्घटनाओं में से एक है, क्या इसके पीछे कोई तोड़-फोड़ है, जैसा कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त की आरंभिक जांच रिपोर्ट आने से पहले ही तफ्तीश में सीबीआई की घोषणा करने से लग रहा है। बहरहाल, वंदे भारत का प्रचार इतना ज्यादा है कि इसका सकारात्मक पहलू भारत में रेल यात्रा से जुड़ी असुरक्षा और अप्रत्याशिता रूपी दुश्वारियों पर भारी पड़ रहा है। वास्तव में, वंदे भारत निर्माण भारतीय रेल की एकमात्र सफलता गाथा है तभी तो रेलवे विभाग इतना आत्ममुग्ध है। क्योंकि इससे पहले जो रेल डिब्बे या तकनीकें प्रयुक्त हुईं, अधिकांशतः आयातित थे। वंदे भारत रेलगाड़ी बनाना सच में 'देसी जीत' है। कोई हैरानी नहीं कि हर नई वंदे भारत रेल को प्रधानमंत्री खुद झंडी दिखाते हैं और आगामी 26 जून को पांच ऐसी गाड़ियों का उद्घाटन करेंगे। लेकिन 26 का यह आंकड़ा वंदे भारत बनाने वाली टीम के लिए बहुत अहमियत रखता है या यूं कहें कि कई दृष्टि से चिंतित करने वाला है, जैसा कि मुझे एक सेवानिवृत्त मित्र से बातचीत में पता चला, जिनसे मेरा परिचय उस वक्त से है, जब मैं लगभग 20 साल पहले बतौर संवाददाता रेलवे विभाग देखता था। 'वंदे भारत' परियोजना को पहले 'ट्रेन-18' नाम दिया गया था। विद्रूपता यह कि रेलवे के सतर्कता विभाग ने इस परियोजना की मूल टीम के एक-दो नहीं, 26 अधिकारियों पर अभियोग पत्र दाखिल किए। इनमें महाप्रबंधक सुधांशु मणि (जो इंटीग्रल कोच फैक्टरी चेन्नई के मुखिया भी थे), से लेकर कनिष्ठ अधिकारी तक, जो कोई डिजाइन, प्रारूप, इंजीनियरिंग और डिलीवरी विभाग से जुड़ा था, पर वित्तीय गड़बड़ी के आरोप जड़ दिए गए। इसकी शुरुआत सुधांशु मणि से हुई, जब उन्होंने अगस्त, 2016 में इंटिग्रल कोच फैक्टरी का बतौर महाप्रबंधक काम संभाला, इससे पहले वे जर्मनी में रेलवे की ओर से सौंपा गया कार्य पूरा करके लौटे थे। ऐसा शख्स, जो सबसे किफायती सेमी-हाई स्पीड रेलगाड़ी जल्द से जल्द बनाने की आकांक्षा रखता हो, इस काम के लिए उन्होंने चुनींदा टीम तैयार की। चूंकि वंदे भारत बनाने की समय सीमा 2018 रखी गई, इसलिए परियोजना को नाम दिया 'ट्रेन-18'। दिसम्बर, 2018 में भारतीय इंजीनियरों ने कर दिखाया और यह उपलब्धि भारतीय रेल इतिहास में उपलब्धि है। लेकिन सितम यह कि 15 फरवरी, 2019 के दिन, जब प्रथम वंदे भारत को झंडी दिखाने का समारोह हो रहा था तब तक सुधांशु मणि सेवामुक्त हो चुके थे और मूल निर्माण टीम का एक भी सदस्य इस अवसर पर मौजूद नहीं था। खैर, सरकार के घर काम ऐसे ही होते हैं और अक्सर श्रेय चुरा लिए जाते हैं या किसी नकारा पदाधिकारी की झोली में अनचाहे गिर जाते हैं। वंदे भारत बनाने वाली मूल टीम को तब ज्यादा खुशी होती, यदि रेलवे बोर्ड इनकी काबिलियत पर भरोसा रखते हुए, जो धन विदेशी सेमी-हाई स्पीड डिब्बों को खरीदने में लगता, उसका अंश जारी कर देता और यह लोग उतने में बना डालते। केवल दो सालों में परियोजना पूरी करने की जल्दी और एक विश्वस्तरीय स्वदेशी रेलगाड़ी बनाने का ध्येय प्राप्त करने में जाहिर है टीम को कुछ गैर-रिवायती तौर-तरीके अपनाने ही पड़ने थे-वर्ना सफलता कैसे मिलती? लेकिन शायद ही कभी उन्हें अहसास हुआ होगा कि इस परियोजना की सफलता उनमें कुछ की नौकरी खा जाएगी। जहां सुधांशु मणि और उनकी टीम के बनाए रेल डिब्बे की लागत 6 करोड़ रुपये पड़ती है वहीं एक यूरोपियन रेल डिब्बे की कीमत 10-12 करोड़ रुपये के बीच होती है। प्रथम वंदे भारत को रवाना करने के बाद रेलवे बोर्ड अध्यक्ष और सतर्कता विभागाध्यक्ष ने दुर्भावनापूर्ण जांच शुरू कर दी, परिणामस्वरूप परियोजना में जिम्मेवारी उठाकर भूमिका निभाने वाले अधिकारियों पर अभियोगपत्र दाखिल हुआ। उनका अपराध इतनाभर था कि वे एक सफल टीम का हिस्सा थे। जाहिर है, एक अभियोगपत्रयाफ्ता व्यक्ति को आगे पदेन तरक्की नहीं दी जाती। इसलिए उन्हें चुप रहकर यह सहना पड़ा। इसी बीच, परिदृश्य में सीआरआरसी कॉर्पोरेशन नामक चीनी कंपनी की प्रवृष्टि होने से एक उप-साजिश चल निकली। रेलवे बोर्ड में सदा से ऐसे दलालों और मध्यस्थतों का आना-जाना रहा है जो देश-विदेश के विभिन्न उत्पादकों या सेवा-प्रदाताओं के हित साधते हैं। कुछ दशक पहले तक तो मंज़र यही था, हो सकता है अब बदलाव आया हो। बहरहाल, फैसला लेने की हैसियत रखने वाले कुछ लोगों के लिए चीनी कंपनी की पेशकश इतनी लुभायमान थी कि उसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल हो गया। हो सकता है मणि और उनकी टीम के विरुद्ध सतर्कता मामला इसलिए खोला गया हो ताकि चीनी कंपनी के टेंडर को तरजीह मिल पाए। बेशक ऐसा करके वे कुछ अधिकारियों को एक किनारे लगाने के अपने प्रयासों में सफल रहे और सीआरआरसी का टेंडर तक पास हो चुका, लेकिन 44 सेमी हाईस्पीड रेलगाड़ियां खरीदने का मंसूबा तब खटाई में पड़ गया, जब 2020 में चीन ने लद्दाख में घुसपैठ कर दी। रेलवे बिरादरी में कुछ लोग हैं जिनका मानना है कि गलवान में हुआ टकराव वंदे भारत रेल निर्माण में दैवीय योग बनकर आया। यदि चीन ने तीन साल पहले सीमा पारीय घुसपैठ का दुस्साहस न किया होता और गलवान में धोखा नहीं दिया होता तो 'ट्रेन-18' परियोजना

'असफलता' का कलंक कुछ अफसरों के माथे मढ़कर बंद कर दी जाती। वास्तव में, यहां तक कहा जा रहा है कि सेमी हाई स्पीड ट्रेन टेंडर का एक हिस्सा यह भी था कि चीनियों की उपस्थिति उस महत्वपूर्ण रेलवे उत्पादन इकाई में हो जाती जहां पर भारतीय सेना के लिए अति महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण तैयार किए जाते हैं। और जिन अधिकारियों ने इस चीनी दखलअंदाज़ी का विरोध किया, उन्हें अपने राष्ट्रप्रेम की एवज में बहुत भुगतना पड़ा। चीनी कंपनी का टेंडर छिटक जाने के बाद, इंटीग्रल कोच फैक्टरी में वंदे भारत के निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली और रेलगाड़ियां बनकर निकलने लगीं, जिसके लिए वाहवाही रेलवे बोर्ड और मंत्रालय लूटने लगा। लेकिन मूल निर्माण टीम को अभी भी ऊल-जलूल प्रश्नोत्तरी का सामना करना था, जिसका मकसद सच जानने की बजाय केवल उन्हें तंग और बेइज्जत करना था। अतंतः, केंद्रीय सतर्कता आयोग ने इन मामलों को रद्द करते हुए मूल टीम के सभी 26 लोगों को बरी कर दिया। इस टीम के एक भी सदस्य को न तो रेलवे बोर्ड ने और न ही 'ट्रेन-18' को झंडी दिखाने में आगे रहने वाले प्रधानमंत्री ने सम्मानित किया। अपने ही लोगों की पुरजोर कोशिशों के बावजूद सजा से बच जाना और केंद्रीय सतर्कता आयोग से बरी होना ही इन लोगों का एकमात्र पदक है। परंतु इस अनावश्यक विवाद में पड़कर, कुछ लोग उन पदों पर तरक्की पाने का मौका गंवा चुके हैं, जहां पर होना उनका जायज हक है। यह बलिदान कोई छोटा नहीं है। 'ट्रेन-18' और 'टीम-26' की पूरी कहानी सुनने के बाद किसी का वंदे भारत पर चढ़ने का उत्साह जाता रहेगा, क्योंकि तब-तब रेल मंत्रालय की अफसरशाही की दुष्टता याद हो आएगी। यदि इसी तरह जिम्मेवारी उठाकर पहल करके कर दिखाने वालों को सजा और चापलूसों को इनाम देना जारी रहा, जो कि भारतीय प्रबंधन की 'महान तरकीब' है, तो आगे भी बालासोर सरीखी दुर्घटनाएं और अन्य रेलवे त्रासदियां होती रहेंगी।

लेखक प्रधान संपादक हैं।

सत्याश्रयी महासुखी

प्रकाशनार्थ आलेख - डॉ. दीपक आचार्य

सत्य जीवन का सर्वोपरि कारक है जिसका आश्रय ग्रहण कर लिए जाने पर धर्म और सत्य हमारे जीवन के लिए संरक्षक और मार्गदर्शक की भूमिका में आ जाते हैं और पूरी जिन्दगी इसका सकारात्मक प्रभाव हमारे प्रत्येक कर्म पर तो पड़ता ही है, हमारा समूचा आभामण्डल ही प्रभावोत्पादक और शुभ्र परिवेश का निर्माण कर देता है। धर्म और सत्य ऐसे महानतम कारक हैं जो अवलम्बन करने वाले की हर प्रकार से रक्षा करते हैं और उन्नति के लिए ऊर्जा का संचरण करते रहते हैं। इतने प्रभावी होने के बावजूद इसका आश्रय लोग या तो ले नहीं पाते अथवा अपनी क्षुद्र कामनाओं के वशीभूत होकर इनसे दूरी ही बनाए रखते हैं। जीवन में एक किनारे पर धर्म, सत्य और आनंद रहते हैं जो सत्यं शिवं सुन्दरं का वरदान प्रदान करते हैं। दूसरी ओर अधर्म, असत्य और पाप का डेरा होता है जो क्षणिक आत्मतुष्टि तो प्रदान करता है किन्तु यह कभी शाश्वत नहीं रह पाती है। इसके साथ ही यह अलक्ष्मी, भय और उद्विग्नता साथ लेकर आती है। सत्य की जड़ें बहुत गहरी होती हैं और उन्हें जमने में समय लगता है और इस कारण इसका फलन भी खूब लंबे समय बाद होता है जबकि असत्य की जड़ें खरपतवार की तरह छिछली होती हैं और इस कारण यह पानी हो या जमीन पर, हर कहीं जल्दी ही फलित लगती हैं। हर आदमी चाहता है कि कम से कम समय में अधिक से अधिक फायदा मिल जाए। इसलिए आम लोगों का रुझान असत्य, झूठ और फरेब जैसे दूसरे मार्गों की ओर होता है। असत्य हमेशा कभी अकेला नहीं आता, और न ही अकेला रहता है। असत्य की परछायी दूर-दूर तक पसरी हुई रहती है। एक बार असत्य का आश्रय पा लेने के बाद यह फफूंद या संक्रमण की तरह फैलने लगता है। असत्य हमेशा पूरी की पूरी श्रृंखला लेकर चलता है। और यही कारण है कि किसी भी मामले में एक झूठ को छिपाने के लिए एक के बाद एक झूठों का सहारा लेना पड़ता है और फिर झूठ बोलने वाले लोगों के जीवन में झूठ की कड़ी से कड़ी जुड़ती चली जाती है तथा आदमी को लगता है जैसे वह असत्य की कई-कई जंजीरों के बेरिकेडिंग में मकड़जाल की तरह फंसता ही चला जा रहा है। एक बार झूठ के जाल में शरण ले लिये जाने पर झूठ के तानों-बानों में उलझता हुआ आदमी मकड़ी ही होकर रह जाता है। इन लोगों के लिए झूठ बोलना अपने दैनंदिन स्वभाव का हिस्सा होकर रह जाता है जो उन्हें मरते दम तक यह अहसास नहीं होने देता कि वे झूठ ही झूठ बोलते रहे हैं। इन लोगों को लगता है कि वे जो कुछ बोल और सुन रहे हैं वह सब उनका अपना सत्य है। यही झूठ उनके अहंकार को इतना अधिक विराट और व्यापक कर लेता है कि फिर वे झूठ को जिन्दगी का परम सहायक और मित्र मान लेते हैं और उसे छोड़ नहीं पाते। मरते दम तक झूठ के पाश उन्हें बांधे रखते हैं। जो लोग झूठ का सहारा लेते हैं उन्हें अपने झूठ को छिपाने के लिए हमेशा एक पर एक झूठ बोलने को विवश होना पड़ता है और ऐसे में आदमी खुद झूठ का पुलिंदा होकर रह जाता है। जिसकी वाणी में झूठ प्रवेश कर जाता है उसके पूरे शरीर और जीवन में झूठ का समावेश इस प्रकार हो जाता है कि व्यक्ति को कभी यह अहसास नहीं होता कि वह झूठ बोल रहा है क्योंकि सच और झूठ में फर्क करने और परिणाम के बारे में चिंतन करने वाली उसकी विवेक बुद्धि अंधकार की घनघोर काली छाया से ग्रसित हो जाती है और ऐसे में उसे लगता है कि झूठ का संरक्षण ही उसे बचा सकता है। जो लोग बात-बात पर झूठ बोलते हैं वे पुरुषार्थहीन, निर्वीर्य, कायर, नपुसंक और भयग्रस्त होने के साथ ही उनके जीवन में हमेशा अपराधबोध और आत्महीनता की भावना बनी रहती है। यही कारण है कि ऐसे लोगों को अपने अस्तित्व की रक्षा करने अथवा साबित करने के लिए झूठी बातों का सहारा लेना पड़ता है। अपने इलाके में ऐसे खूब सारे झूठे लोग हैं जो रोजाना हमारे संपर्क में आते हैं अथवा हमारे आस-पास ही भटकते रहते हैं। अपने क्षेत्र में झूठों की कई किस्में हैं। झूठ भी ईश्वर कहें या भ्रष्टाचार, इनकी ही तरह सर्वव्याप्त है। झूठ के लिए कहीं कोई भेदभाव नहीं है। हर आकार-प्रकार और विचार का, हर किस्म का व्यक्ति झूठ का दामन थाम सकता है। झूठे लोग कल्पनाओं और ख्वाबों में जीने के आदी होते हैं। ये लोग अपनी वाहवाही के लिए चाहे जितना झूठ बोल सकते हैं। कोई भी आदमी एक बार झूठ बोलना शुरू कर दे तो फिर उसे झूठ में दक्षता पाने के लिए कोई प्रशिक्षण नहीं लेना पड़ता। ऐसा व्यक्ति उत्तरोत्तर झूठी बातों का बादशाह बन जाता है। दुनिया में सबसे ज्यादा अविश्वासी, विश्वासघाती और महादुष्ट यदि कोई हैं तो वह हैं झूठे आदमी। ऐसे लोग अपने छोटे-मोटे स्वार्थ के लिए झूठ बोलने से लेकर किसी का काम तमाम कर सकने तक की सारी योग्यताएं रखते हैं। क्योंकि इनके लिए अपने झूठ के कवच के सामने सारे नियम-कानून और हथियार बेकार हैं। एक बार जो झूठ का सहारा ले लेता है उसके लिए हर प्रकार का अपराध करना खेल जैसा ही हो जाता है। हो भी क्यों न। उसे झूठ बोलकर ही तो बचाव कर लेना है। फिर आजकल झूठे लोगों को संरक्षण देने वाले उनके भाईबंद दूसरे झूठे लोगों के कई-कई गिरोह प्रतिष्ठित हैं जो हमेशा ऐसे लोगों के बचाव की मुद्रा में रहा करते हैं। झूठों की दोस्ती झूठों से होना स्वाभाविक भी हैं क्योंकि खच्चरों को अपने स्वजातिजनों से विशेष प्रेम होता है। ये खच्चर मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ों के शिखर तक परिभ्रमण कर रहे हैं। और वह भी इस भावना के साथ कि सारी दुनिया का बोझ हम उठाते हैं। झूठे लोग भले ही झूठ और फरेब तथा षड्यंत्रों के सहारे पैसा बना लें, आलीशान भवन खड़े कर दें, अनाप-शनाप धन-दौलत जमा कर लें और प्रतिष्ठा के शिखरों को चूम लें, ये लोग न खुद को संतुष्ट रख सकते हैं, न औरों को। फिर झूठे लोगों पर न और झूठे लोग विश्वास करते हैं, न सज्जन लोग। झूठों की स्थिति ताजिन्दगी धोबी के कुत्ते जैसे होती है। इनकी मौत भी झूठ के साये में होती है। जीवन का असली आनंद सत्य संभाषण, सत्य श्रवण और सत्य मनन में ही है और यही व्यक्ति को झूठ से बचाने में समर्थ है। एक बार सत्य का आश्रय ले लिये जाने पर जीवन भर के लिए निरपेक्षता, निर्भयता और प्रसन्नता अपने आप आ जाती है। अपने आस-पास झूठे लोगों के होने पर इसका दुष्प्रभाव हम पर भी पड़ता है और हमारा आभामण्डल भी काला पड़ने लगता है। इसलिए जो लोग झूठ बोलते हैं उनसे हाथ मिलाना, उन्हें हाथ जोड़ना या उनसे सम्पर्क तक करना छोड़ देना चाहिए। इन झूठों की छाया तक भी देखना आत्मघाती है। ऐसे झूठे लोगों से किसी भी प्रकार का व्यवहार करने वाले व्यक्ति के पुण्यों का क्षय हो जाता है और खराब ग्रह और अधिक अनिष्टकारी व कुपित हो जाते हैं। झूठे लोगों से मैत्री और सम्पर्क रखने वाले लोगों का पितृदोष, कुलदोष भी घातक स्तर पाप लेता है और ऐसे लोगों में आधिभौतिक, आधिदैविक और आधिदैहिक तापों का असर ज्यादा देखने को मिलता है। किसी भी सज्जन व्यक्ति के जीवन में समस्याएं बनी रहती हों तो ऐसे लोगों को झूठ का आश्रय छोड़ देना चाहिए। ये झूठे लोग जब तक अपने आस-पास रहते हैं तब तक दैवीय कृपा हमसे दूर रहती है और हमारे मामूली कामों तक में अवरोध आते रहते हैं। इसके साथ ही उनके मित्रों, कुटुम्बियों या परिजनों में झूठे लोग हों तो इनसे थोड़ी दूर बनाकर देखियें, अपने आप समस्याओं का समाधान होता चला जाएगा।

महाकाल लोक भ्रष्टाचार की याचिका पर, सरकार ने कहा याचिकाकर्ता राजनीतिक दल का

(लेखक-सनत जैन)

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिकाकर्ता केके मिश्रा ने, विभोर खंडेलवाल अधिवक्ता के माध्यम से एक जनहित की याचिका दायर की है। इस याचिका में उज्जैन के महाकाल लोक में हवा से 6 सप्तऋषियों की प्रतिमा गिरने, महाकाल लोक में अरबों रुपए के भ्रष्टाचार के खिलाफ याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने मांग की है, कि भ्रष्टाचार की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में हो। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से आपत्ति जताते हुए सरकार की ओर से कहा गया है, कि याचिकाकर्ता एक राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ है। राज्य सरकार ने यह भी कहा, कि इस मामले की लोकायुक्त जांच शुरू हो गई है। सरकार की ओर से कहा गया, कि याचिकाकर्ता हाईकोर्ट आने से पहले लोकायुक्त या ईओडब्ल्यू में जा सकते थे। लेकिन वह सीधे हाईकोर्ट आ गए हैं। सरकार की ओर से याचिका निरस्त करने की बात कही गई है। इसमें सबसे बड़ी आश्चर्य करने वाली बात यह है कि याचिकाकर्ता को एक राजनीतिक दल से जुड़ा बताया गया है। अतः उसकी याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। इससे तो यही स्पष्ट होता है, कि राजनीतिक दल के नेता जो आरोप लगाते हैं। वह सही नहीं होते हैं। सरकार के इस पक्ष को जानने के बाद विशेष रूप से भाजपा नेताओं द्वारा समय-समय पर इसी तरह की जो याचिकाएं न्यायालयों में लगाई जाती हैं। हाल ही में राहुल गांधी को सूरत की कोर्ट से मानहानि के एक मामले में 2 साल की सजा हुई है। और उनकी संसद से सदस्यता भी समाप्त हो गई। इसके अलावा सैकड़ों और भी मामले हैं। जिसमें भाजपा नेताओं द्वारा हाई कोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में समय-समय पर याचिका दायर की हैं। इस मामले में राज्य सरकार द्वारा जो पक्ष रखा गया है। यदि उसे सही मान लिया जाए, तो भविष्य में राजनेताओं तथा राजनीतिक दलों द्वारा जो याचिका दायर की जाती है, उसमें इसी तरह से याचिका को खारिज करने की मांग की जा सकती है। लोकायुक्त मैं पहले भी महाकाल लोक में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत की गई थी। जिस पर लोकायुक्त संगठन द्वारा कोई त्वरित कार्यवाही नहीं की गई थी। मामूली आंधी में जब सप्तऋषियों में से 6 सप्त ऋषि की प्रतिमाएं गिरने से खंडित हुई। उसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ा, और लोकायुक्त संगठन ने आनन-फानन में जांच शुरू कर दी। लोकायुक्त संगठन और ईओडब्लू की जांच किस तरह से होती है। और कितना समय लगाता हैं। इसका अंदाजा सभी को है। यदि याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट की शरण ली है, तो सरकार को अपना पक्ष इस तरीके से रखना चाहिए था, जिसमें शासन की बात सामने आती। लेकिन शासन का यह कहना कि एक राजनीतिक दल से जुड़े हुए, व्यक्ति द्वारा याचिका दायर की गई है। अतः इस मामले की याचिका हाईकोर्ट खारिज कर दे। मध्य प्रदेश शासन की ओर से जो पक्ष रखा गया है, उसका तो एक ही मतलब निकलता है। राजनीतिक दल अथवा राजनेता जो भी आरोप लगाते हैं।

वह राजनीति से प्रेरित होते हैं, उनमें कोई सत्यता नहीं होती है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दलों अथवा उनसे जुड़े हुए लोगों की याचिका पर हाईकोर्ट को सुनवाई नहीं करनी चाहिए? शासन व्यवस्था असंवेदनशील हो गई है। शिकायतों का निपटारा नहीं होता है। उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। लोगों को मजबूरन न्यायालयों की शरण में जाना पड़ता है। शासन भी यह कहने लगे है, कि यदि आपको शासन की कार्यवाही पर विश्वास नहीं है, तो न्यायायल चले जाये। यह एक तरह से शासन-व्यवस्था की निष्फलता है।

शासन के उपर सभी पक्षों को विश्वास हो। उनका भी पक्ष सुना जाता, तो न्यायालय में जाने की जरुरत ही नहीं होती। शासन को इस पर भी विचार करना होगा।

बच्चों के साथ बिताएं अपना वीकएंड

हम आपके लिए कुछ फन एक्टिविटीज लेकर आए हैं जो आपको बीकएंड में अपने बच्चों के साथ करने में बेहद मजा आएंगा और साथ ही आप अपने बच्चों के साथ ज्यादा समय भी व्यतीत कर पाएंगे। वीकएंड्स पर बच्चों को संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वे बोर होने लगते हैं और घर में हुड़दंग मचाना शुरू कर देंते हैं। ...तो क्यों न वीकएंड के लिए आप पहले से ही कुछ फन एक्टिविटीज प्लॉन करके रखें जिसे करने में आपको भी मजा आए और आपके बच्चों को भी।

पेपर प्लेट मास्क–घर पर रखे पेपर प्लेट्स निकालें और साथ ही बच्चों की कैंची भी। बच्चें को उनके पेंट और ब्रश के साथ बिठाएं और देखें की वे अपनी इमेजिनेशन से क्या पेंट करते हैं इन पेपर प्लेट्स पर। पेपर प्लेट्स से फेस मास्क बनाना मजेदार होता है। आप खाली जूस के बॉटल्स और अन्य बॉक्सेसज भी कई चीजे बना सकते हैं।

गाडर्निग– इससे आपके बच्चों में प्रकृती के प्रति लगाव बढ़ेगा। अपने बच्चों को पेड़ लगाना, बीज बोना सिखाएं। यह न केवल उनके लिए एक लर्निंग एक्सपीरियंस होगा बल्कि वे नेचर के प्रति जिम्मेदार भी बनेंगे।

पिगी बैंक बनाएं– उसे सेविंग करना सिखाएं। घर पर पड़े बड़े बॉक्सेज और जार लेकर आएं और उन्हें इसे अपने मनपसंद तरीके से सजाने को कहें फिर ईनाम के रूप में इन बॉस या जार में कुछ सिक्के डाल दें।

स्टिक पपेट– आइसक्रीम स्टिक्स पर बच्चों को बड्र्स या एनिमल ड्रॉ करने को कहें और फिर इनका इस्तेमाल बुकमार्क के रूप में भी कर सकते हैं।

वेजिटेबल ड्रॉइंग– भिंडी, प्याज और अन्य सब्जियों के छोटे टुकड़े काटें। इन टुकड़ों को आप अपने बच्चों को पकड़ा दें और फिर उन्हें पेंट कलर्स में डिप करके ड्रॉइंग बनाने को कहें। इससे उन्हें ड्रॉइंग के नए तरीके सीखने को मिलेगा और समय का सही उपयोग भी होगा।

मानसून में ऐसे करें

आई केयर

बारिश में आंखों का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार बारिश के मौसम में आंखों में सूजन, जलन, लाली आदि की समस्या पैदा हो जाती है। इन समस्याओं से बचने के लिए इन बातों का खासतौर पर ध्यान रखें।

गंदे हाथ

गंदे हाथों से आंखों को न छुएं।

ठंडे पानी का इस्तेमाल

आंखों को ठंडे पानी से धोएं।

साबुन से हाथ धोएं

घर में अगर कोई कन्जक्टिवाइटस से पीडित है तो उसकी आंखों में दवा डालने के बाद साबुन से हाथ जरूर धोएं।

ज्यादा परेशानी होने पर विशेषज्ञ से मिलें

आंखों में लाली, खुजली व जलन मानसून से जुड़ी परेशानी है जो ज्यादा किताब पढ़ने, कम्प्यूटर पर घंटों काम करने व ज्यादा टेलीविजन देखने से होती है। यदि ऐसी परेशानी हो तो विशेषज्ञ से मिलें।

आंखों को पोंछने वाले कपड़े को शेयर न करें

अपना तौलिया, रूमाल आदि दूसरों के साथ शेयर न करें।

कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग नहीं

किसी भी संक्रमण के दौरान कॉन्टेक्ट लेंस का प्रयोग न करें।

मेकअप से दूर रहें

बाहर जाते वक्त चश्मा लगाएं। दिक्कत होने पर आंखों को रगडें नहीं। किसी भी प्रकार का संक्रमण होने पर आंखों का मेकअप न करें।

बिलनी

आंखों का बैक्टीरियल संक्रमण है जो ज्यादातर बारिश के मौसम में होता है। इसमें आंखों की पुतली में पीड़ादायक गठान हो जाती है जो कुछ समय बाद दवा से ठीक हो जाती है।

घरेलू उपायों से निखारें अपनी रंगत

दमकता गोरापन पाने के लिए महिलाएं बहुत से उपाय करती हैं। बाजार में भी गोरा बनाने के लिए ढेरों प्रोडेक्ट उपलब्ध हैं। जिन्हें खरीदने के लिए महिलाएं पानी की तरह पैसा बहाती हैं, लेकिन क्या आप जानती हैं कि कुछ घरेलू तरीके अपनाकर भी आप पा सकती है निखरी त्वचा–

नींबू

नींबू के रस को गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे में निखार आएगा। अगर आपके हाथ काले हैं तो सोते वक्त हाथों पर नींबू रगड़े। एक हफ्ते में ही आपको फर्क महसूस होने लगेगा।

शहद

शहद में कच्चा दूध मिलाकर लगाने से चेहरा खुबसूरत और कोमल हो जाता है। इससे फटी हुई स्किन भी सही हो जाती है।

संतरा

संतरे के छिलकों को सुखा लें। फिर उन्हें मिक्सी में पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर में गुलाब जल, कच्चा दूध और नींबू का रस मिलाकर इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा गोरी होने लगेगी।

टमाटर

टमाटर के रस में गुलाब जल और कच्चा दूध मिलाकर लगाएं। इससे कील, मुंहासों से राहत मिलेगी।

खीरा

खीरे के रस को चेहरे पर लगाएं। इससे आपके चेहरे की रंगत निखरने लगेगी। इसके अलावा खीरे को आंखों पर लगाने से डार्क सर्कल भी दूर होते हैं और आंखों को आराम मिलता है।

हल्दी

हल्दी में ताजी मलाई, आटा और कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इससे चेहरे पर निखार आ जाता है।

ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए प्रभावी

मुल्तानी मिट्टी

ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए मुल्तानी मिट्टी प्रभावी होती है। इसे चेहरे पर लगाने से रंगत निखरती है और बालों में प्रयोग करने से वे घने व मुलायम होते हैं। यह त्वचा संबंधी रोगों को दूर कर ब्लड सर्कुलेशन ठीक करती है।

बालों के लिए

रुखे बालों के लिए चार चम्मच मुल्तानी मिट्टी के साथ 1/4 कप दही, दो चम्मच नींबू रस और दो चम्मच शहद मिलाकर बालों पर लगाएं। बाल मुलायम होंगे। मुल्तानी मिट्टी को चार घंटे तक भिगोकर उसमें रीठा पाउडर मिलाएं। इस पेस्ट को बालों में लगाने से तैलीय बालों की समस्या दूर होती है। नेचुरल कंडिशनिंग के लिए मुल्तानी में छाछ मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी को बालों में 10 मिनट से ज्यादा ना लगाएं।

गर्मियों में फायदेमंद

सनबर्न होने पर मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल या टमाटर के रस में मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी का लेप पैरों के तलवों में लगाने से ठंडक मिलती है। इसे नीम की पत्तियों वाले पानी में भिगोकर लेप करने से घमौरियां दूर होती हैं। फोड़े-फुंसियां होने पर इस मिट्टी में कपूर मिलाकर लगाएं। गर्मी में नकसीर की समस्या होने पर एक चौथाई गिलास पानी में रात को 5 चम्मच मुल्तानी मिट्टी भिगो दें। सुबह इसे छानकर नाक पर लेप करने से खून आना बंद हो जाएगा। ड्राई और सेंसटिव स्किन वालों को मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग सप्ताह में एक बार ही करना चाहिए।

तैलीय त्वचा के लिए

ऑयली स्किन वालों के लिए यह फायदेमंद होती है, क्योंकि यह चेहरे का तेल सोखकर मुंहासे दूर करती है। ऑयली स्किन वाले लोगों को इस मिट्टी में दही व पुदीने की पत्तियों का पाउडर मिलाकर लगाना चाहिए। गुलाब जल व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर भी चेहरे पर लगाई जा सकती है। मुंहासे होने पर मिट्टी में सूखी नीम की पत्तियां मिलाकर लगाएं। रुखी त्वचा होने पर इसमें चंदन पाउडर मिलाकर लगाएं। आंखों के नीचे काले घेरे कम करने के लिए खीरे का रस व उबला आलू मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर आंखों के नीचे 10-15 मिनट तक लगाएं।

भारतीय स्टार्टअप हेल्थटेक मोजाकेयर ने 80 फीसदी कर्मचारी निकाले!

मुंबई । भारतीय स्टार्टअप्स हेल्थटेक स्टार्टअप मोजोकेयर ने अपने 80 फीसदी से अधिक कर्मचारियों को बाहर कर दिया है। खबरों के अनुसार मोजोकेयर में बड़े पैमाने पर हुई छंटनी से 200 से अधिक कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है, हालांकि स्टार्टअप से जुड़े एक व्यक्ति का कहना है` कि यह संख्या 150-170 कर्मचारियों के करीब है। मोजोकेयर के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद हमारे व्यापार के बुनियादी सिद्धांतों ने पिछले कुछ महीनों में काम नहीं किया है। ऐसे में अधिक पूंजी कुशल बनने के लिए हमने लागत को तर्कसंगत बनाने का फैसला किया है। मोजोकेयर अश्विन स्वामीनाथन और रजत गुप्ता की ओर से 2020 में स्थापित एक डिजिटल वेलनेस प्लेटफॉर्म है।

मध्य प्रदेश के अमेलिया कोयला ब्लॉक में वाणिज्यिक परिचालन शुरू

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने मध्यप्रदेश में स्थित अपने अमेलिया कोयला ब्लॉक से कोयले की आपूर्ति का परिचालन शुरू कर दिया है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी कहा कि ब्लॉक का वाणिज्यिक परिचालन निर्धारित समय से छह महीने पहले शुरू हो गया है। उन्होंने कहा` कि टीएचडीसीआईएल की अमेलिया कोयला खनन परियोजना के तहत कोयले की पहली खेप जारी कर दी है। खदान में 16.20 करोड़ टन (निकालने योग्य 13.94 करोड़ टन कोयला भंडार सहित) का भंडार है। यहां से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर स्थित 1320 मेगावाट के खुर्जा सुपर थर्मल पॉवर प्लांट की ईंधन जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। उत्तराखंड स्थित टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड जल, पवन, सौर और ताप ऊर्जा क्षेत्र में सक्रिय है।

चालू वित्त वर्ष में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में बढ़ोतरी

मुंबई । चालू वित्त वर्ष में देश का डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन (शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह) 17 जून तक 11.18 प्रतिशत बढ़कर 3.80 लाख करोड़ रुपए हो गया है। अग्रिम कर संग्रह के कारण यह बढ़ोतरी हुई। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में अग्रिम कर संग्रह 17 जून तक 1,16,776 लाख करोड़ रुपए रहा। यह पिछले साल की समान अवधि से 13.70 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 17 जून तक 3,79,760 करोड़ रहा, जिसमें कॉरपोरेट कर (सीआईटी) के 1,56,949 करोड़ रुपए शामिल हैं। प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) सहित व्यक्तिगत आयकर के रूप में 2,22,196 करोड़ रुपए जमा हुए। सकल आधार पर, रिफंड को समायोजित करने से पहले संग्रह 4.19 लाख करोड़ रुपए था। यह राशि सालाना आधार पर 12.73 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। इसमें कॉरपोरेट कर के 1.87 लाख करोड़ रुपए और प्रतिभूति लेनदेन कर सहित व्यक्तिगत आयकर के 2.31 लाख करोड़ रुपए शामिल हैं। रिफंड राशि 17 जून तक 39,578 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 30 प्रतिशत ज्यादा है।

मारुति सुजुकी इनविक्टो की सेल जुलाई से

-4 दिन बाद शुरू हो रही बुकिंग

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी इनविक्टो की सेल जुलाई 2023 में चालू होगी। इस कार की बुकिंग 19 जुलाई 2023 से शुरू हो जाएगी। माना जा रहा है कि यह कंपनी की सबसे महंगी बुकिंग हो सकती है।यह मारुति सुजुकी के पोर्टफेलियो की तीसरी एमपीवी होगी। इसकी कीमत 20 लाख रुपये से ज्यादा होने की उम्मीद है। यह टोयोटा हाइक्रॉस का रिबैज्ड वर्जन है। इस कार के जरिए कंपनी एमपीवी और एसयूवी बायर्स दोनों को टारगेट करेगी। इनविक्टो से पहले कंपनी के अर्टिगा और एक्सएल 6 जैसे मॉडल्स सेल पर हैं। ग्रैंड विटारा की तरह नई मारुति एमपीवी का निर्माण टोयोटा के बिदाड़ी प्लांट में किया जाएगा।

टोयोटा के टीएजीए-सी आर्किटेक्चर पर आधारित इनविक्टो 183बीएचपी, 2.0एल स्ट्रांग हाइब्रिड और 173बीएचपी, 2.0एल पेट्रोल पावरट्रेन के साथ आएगी। जबकि दूसरा मॉडल ई-सीवीटी गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध होगा, बाद वाले को सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन मिलेगा। दिलचस्प बात यह है कि मारुति इनविक्टो ब्रांड का पहला ऑटोमैटिक-ओनली मॉडल होगा। डायमेंशन के हिसाब से नई मारुति एमपीवी इनोवा हाइक्रॉस जैसी होगी। हालांकि, इसके एक्सटीरियर में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। लेटेस्ट स्पाई इमेजेस से पता चलता है कि मॉडल में क्रोम बार के साथ एक ट्रेपोजॉइडल ग्रिल, अलग तरह से डिज़ाइन किया गया फ्रंट बम्पर, एलईडी डीआरएल और अलॉय व्हील होंगे।

इसके इंटीरियर में किसी तरह के बदलाव की उम्मीद नहीं है। इनविक्टो वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ 10.1-इंच फ्लोटिंग टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, हवादार फ्रंट सीट्स, एक पैनोरमिक सनरूफ, 9-स्पीकर जेबीएल ऑडियो सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, एक 360 डिग्री कैमरा, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और के साथ आएगा। अडास एमपीवी के स्टीयरिंग व्हील पर मारुति सुजुकी का लोगो होगा। 6 एयरबैग, ट्रैक्शन कंट्रोल, एबीएस और ईबीडी और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम के साथ सभी पैसेंजर्स के लिए 3 पॉइंट सीट बेल्ट होंगे।

स्वर्ण बांड योजना के लिए 5,926 रुपए निर्गम मूल्य तय

नई दिल्ली । सरकार ने स्वर्ण बांड योजना (एसजीबी सावरेन गोल्ड बांड) 2023-24 की सोमवार से शुरू पहली किस्त के लिए सोने का निर्गम मूल्य 5,926 रुपए प्रति ग्राम तय कर` दिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि पहली किस्त में स्वर्ण बांड की खरीदारी 19 जून से 23 जून तक ही होगी। मंत्रालय ने कहा कि बांड के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को खरीद पर 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का निर्णय लिया गया है। ऐसे निवेशकों के लिए गोल्ड बांड की कीमत 5,876 रुपए प्रति ग्राम होगी। बांड को बैंकों, चिह्नित डाकखानों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) और शेयर बाजारों नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एवं बीएसई के माध्यम से बेचा जा सकेगा। सोने की भौतिक मांग कम करने और घरेलू बचत के एक भाग को सोना खरीद के जरिये वित्तीय बचत में बदलने के उद्देश्य से एसजीबी योजना पहली बार नवंबर, 2015 में लाई गई थी। स्वर्ण बॉन्ड की कीमत 999 शुद्धता वाले सोने की औसत बंद कीमत के आधार पर इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन तय करता है।

वर्ष 2025-26 तक प्रौद्योगिकी को जीडीपी का 25 प्रतिशत करने का लक्ष्यः आईटी मंत्री

वाशिंगटन ।

भारत के आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2025-26 तक प्रौद्योगिकी को देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 20-25 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। चंद्रशेखर ने भारतीय अमेरिकी उद्यमियों से भारत में निवेश करने को कहा। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ है, विविधता आई है और इस समय तकनीकी क्षेत्र में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां भारतीय उद्यमी, भारतीय स्टार्टअप मौजूद नहीं हैं। चंद्रशेखर ने वैश्विक भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवर संघ के वार्षिक सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, ब्लॉकचेन और कंप्यूटिंग लैंग्वेज से लेकर उपभोक्ता इंटरनेट तक, हर जगह भारतीय उद्यमी मौजूद हैं। प्रौद्योगिकी का कोई भी क्षेत्र जिसे आप आज देखते हैं, वहां भारतीय स्टार्टअप, भारतीय उद्यमों और भारतीय नवप्रवर्तकों की महत्वपूर्ण उपस्थिति है। भारतीय नवाचार अर्थव्यवस्था 2014 में चार-पांच प्रतिशत से बढ़कर आज दस प्रतिशत हो गई है। हमारा लक्ष्य है कि प्रौद्योगिकी और डिजिटल अर्थव्यवस्था 2025-2026 तक कुल सकल घरेलू उत्पाद का 20 प्रतिशत होगी, जो लगभग 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। उस समय हमारा सकल घरेलू उत्पाद लगभग 5,000 अरब डॉलर होगा और इसका 20 प्रतिशत का प्रौद्योगिकी क्षेत्र होगा। हम इस लक्ष्य पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार इस लक्ष्य पर जोर दे रही है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 216 , निफ्टी 70 अंक गिरा

मुम्बई ।

शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई पर कुछ देर बाद ही इसमें गिरावट हावी होने लगी जिससे बाजार नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 216.28 अंक करीब 0.34 फीसदी नीचे आकर 63,168.30 पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला निफ्टी 70.75 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी फिसलकर 18,755.25 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,574.69 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 63,047.83 तक आया। इसी तरह निफ्टी भी 70.55 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी गिरा। निफ्टी दिन के अंत में 18,755.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,881.45 की उंचाई तक गया और नीचे में 18,719.15 तक आया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 10 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। बजाज फाइनैंस सबसे ज्यादा 2.24 फीसदी तक उछले, इसके अलावा फिनसर्व, टेक महिंद्रा, टीसीएस और सन फार्मा सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 20 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। कोटक बैंक के शेयर सबसे अधिक पांच 1.72 फीसदी तक फिसले। इसके अलावा सबसे ज्यादा नुकसान वाले पांच शेयरों में एक्सिस बैंक, एनटीपसी, एचयूएल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी शामिल रहे। इससे पहले शुक्रवार को सकारात्मक वैश्विक रुझानों के बीच प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुए थे। इसके साथ ही बैंकिंग, वित्तीय और पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मजबूती रही थी। कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती आने और विदेशी निवेशकों की लिवाली कायम रहने से भी बाजार की धारणा को बल मिला।

टाटा टेक्नोलॉजीस का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल होगा

नई दिल्ली। टाटा टेक्नोलॉजीज ने अपने आईपीओ के लिए इस साल 9 मार्च को सेबी के पास अपने दस्तावेज जमा कराए थे। टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ के बारे में जानकारी मसौदा दस्तावेजों के अनुसार टाटा टेक्नोलॉजीस का आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा। जबकि कंपनी के मौजूदा शेयरधारक टाटा मोटर्स, अल्फ़ा टीसी होल्डिंग्स और टाटा कैपिटल ग्रोथ फंड-1 अपनी हिस्सेदारी बेच देंगे। ऑटो प्रमुख टाटा मोटर्स की कंपनी में 74.69 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ओएफएस के तहत, टाटा टेक्नोलॉजीज की मूल कंपनी टाटा मोटर्स कंपनी में 8.11 करोड़ शेयर या 20 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच देगी। आईपीओ के आकार का अभी खुलासा नहीं किया गया है। इश्यू प्राइस का भी खुलासा नहीं किया गया है। टाटा टेक्नोलॉजी के आईपीओ के संभावित आकार को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई। रिपोर्ट्स की मानें तो टाटा टेक्नोलॉजी के आईपीओ का

आकार 3800-4000 करोड़ रुपए हो सकता है। कंपनी के आईपीओ की प्रतीक्षा एनालिस्ट्स, दलाल स्ट्रीट के बड़े निवेशकों के साथ-साथ खुदरा इंवेस्टर्स भी कर रहे हैं। एनालिस्ट्स मानते हैं कि कंपनी का आईपीओ अगले पांच से छह महीने में आ सकता है।

पीएलआई एजेंसियों पर सख्ती बरतेगी सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) एजेंसियों पर सख्ती बरत सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार पक्का करना चाहती है कि ये एजेंसियां अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल न करें। इस समय कुल 14 पीएलआई योजनाएं चल रही है, जिन पर नजर रखने का जिम्मा पांच परियोजना निगरानी एजेंसियों पर है। ये एजेंसियां भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), मेटलर्जिकल ऐंड इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स लिमिटेड (मेकॉन इंडिया), भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) और भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) हैं। हालांकि ये सभी सरकारी कंपनियां हैं मगर वे पीएलआई योजना शुरू करने वाले मंत्रालयों को प्रबंधन एवं क्रियान्वयन में मदद करने के लिए जिम्मेदार हैं। ये एजेंसियां पीएलआई योजना के अंतर्गत पीएलआई आवेदनों के मूल्यांकन, प्रोत्साहन की अर्हता के निर्धारण, योजना के प्रदर्शन एवं इसकी प्रगति पर नजर रखने जैसी गतिविधियां अंजाम देती हैं। इन एजेंसियों पर संबंधित मंत्रालय नजर रखते हैं और ये उन्हीं के प्रति जवाबदेह भी होती हैं। मगर नीति आयोग ने चिंता जताई है कि इन एजेंसियों को आवश्यकता से अधिक अधिकार दे दिए गए हैं। आयोग मंत्रालयों को ये सुनिश्चित करने के लिए कहेगा कि इन एजेंसियों में भ्रष्टाचार किसी कीमत पर नहीं हो सके।

टोरंटो में योर्कविली एक्जोटिक कार शो में पहुंचे लोग। यह वार्षिक समारोह गत दिवस फादर्स डे के अवसर पर आयोजित किया गया था। इसमें करीब 100 कारें पेश की गयीं।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कई शहरों में बदली

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को हल्की गिरावट देखी गई है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.59 डॉलर गिरकर 71.19 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.63 डॉलर की गिरावट के साथ 75.98 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। महाराष्ट्र में सोमवार को पेट्रोल की कीमत 62 पैसे गिरकर 105.96 प्रति लीटर पहुंच गई है। वहीं डीजल 60 पैसे सस्ता होकर 92.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। मध्य प्रदेश में पेट्रोल 30 पैसे और डीजल 28 पैसे सस्ता हो गया है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी पेट्रोल-डीजल कुछ सस्ता हुआ है। इसके विपरीत राजस्थान में पेट्रोल 40 पैसे महंगा होकर 108.88 रुपए और डीजल 36 पैसे महंगा होकर बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.66 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.56 रुपए और

डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

भारतीय शेयरों में एफपीआई ने अब तक लगाए 16,405 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) ने अब तक भारतीय शेयरों में 16,405 करोड़ रुपयों का निवेश किया है। इस तरह से एफपीआई का भारतीय शेयर बाजारों में निवेश का सिलसिला जून में लगातार चौथे महीने भी जारी है। देश की अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार और सकारात्मक वृद्धि परिदृश्य के बीच जून में अबतक विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 16,405 करोड़ रुपये का निवेश किया है। एफपीआई ने मई में शेयरों में 43,838 करोड़ रुपये का निवेश किया था। यह उनके निवेश का नौ माह का उच्चस्तर था। जबे कि अप्रैल में उन्होंने शेयरों में 11,631 करोड़ रुपये और मार्च में 7,936 करोड़ रुपये डाले थे। जबे कि इससे पहले जनवरी-फरवरी के दौरान एफपीआई ने शेयरों से 34,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी।

इस मामले में वित्तीय सलाहकार कंपनी क्रेविंग अल्फा के प्रमुख भागीदार मयंक मेहरा ने कहा कि मौजूदा निवेश के रुझान को देखते हुए उम्मीद है कि एफपीआई की रुचि पूरे जून महीने में भारतीय बाजारों के प्रति बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक सुधार, कंपनियों की सकारात्मक आय और अनुकूल नीतिगत माहौल की वजह से एफपीआई का भारतीय बाजारों में सकारात्मक प्रवाह जारी रहेगा। बाजार विशेषज्ञ हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय बाजार लगातार ऊपर चढ़ रहे हैं जिसकी वजह से मूल्यांकन को लेकर चिंता पैदा हो सकती है। इसके अलावा सख्त नियामकीय नियमों की वजह से भी भारतीय बाजार में विदेशी पूंजी का प्रवाह प्रभावित हो सकता है।

सौरउर्जा क्षेत्र में क्रांति का सर्जन करता ओनिक्स सोलर : सालाना 100 मेगावाट बिजली क्षमता वाले सोलर मॉड्यूल का उत्पादन

भविष्य निस्संदेह गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का है। आजकल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में बड़े पैमाने पर सोलर पेनल का इस्तेमाल किया जा रहा है। भूमि के एक बड़े क्षेत्र पर सौर पेनलों की एक विशाल सरणी खड़ी करके बिजली उत्पन्न की जाती है। इसलिए रिहायशी इलाकों में भी सोलर रूफटॉप दिखने लगे हैं। उस समय सौर ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांति लाने वाले ओनिक्स सोलर ने 100 मेगावाट की वार्षिक बिजली क्षमता वाले सौर मॉड्यूल (पेनल) तैयार किए और गुजरात सहित पूरे भारत में बिजली पैदा करने में अहम योगदान दिया और एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।

ओनिक्स सोलर के अध्यक्ष श्री दिव्येशभाई सांवलिया ने कहा कि ओनिक्स स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड, जो 2008 से काम कर रही है, ने सहायक सेवाएं प्रदान करने में जबरदस्त विशेषज्ञता हासिल की है। नवप्रवर्तन, उत्कृष्टता, सम्मान, अखंडता और उत्तरदायित्व के मूल्यों के साथ ओनिक्स ग्रुप अप्रैल 2023 से सौर मॉड्यूल निर्माण में लगा हुआ है। जिसमें 330 वॉट से 700 वॉट पावर रेंज के मॉड्यूल तैयार किए जा रहे हैं। इस इकाई की उत्पादन क्षमता 100 मेगावाट प्रति वर्ष है। यानी आधुनिक मशीनरी से एक दिन में 850 सोलर मॉड्यूल बनाए जा रहे हैं. भविष्य में वार्षिक उत्पादन को 1200 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए काम चल रहा है।

ओनिक्स सोलर उत्पादन मशीनरी और मॉड्यूल पर्यावरण के अनुकूल हैं। सौर पेनल 25 साल की वारंटी के साथ आते हैं जबकि उनका ऊर्जा उत्पादन जीवन काल 25 साल से अधिक है। ओनिक्स सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में निकट भविष्य में उन्नत सौर उत्पादों जैसे TOPCON, M10, M12 आदि का निर्माण करेगा। जैसे कि सरकार भी हरित ऊर्जा को बढ़ावा दे रही है, ओनिक्स सोलर सौर ऊर्जा के सभी नए खंड - नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी स्थिति के साथ उभर रहा है।

Sports

एशिया कप से मिली रकाम नहीं लेता बीसीसीआई : चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर और कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप के लिए गतिरोध समाप्त होने पर खुशी जताते हुए कहा कि अब हमें एक अच्छा टूर्नामेंट देखने को मिलेगा। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला श्रीलंका में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने एशिया कप सबसे ज्यादा सात बार जीता है और उसका इरादा एक बार फिर इसे जीतना रहेगा। चोपड़ा ने कहा है कि 7 एशिया कप से मिली रकम बीसीसीआई अपने पास नहीं रखता। चोपड़ा ने कहा कि जब से एशिया कप चल रहा है। इसके राजस्व से प्राप्त राशि का एक भी पैसा बीसीसीआई ने नहीं लिया और उसे एशियाई क्रिकेट परिषद के पास ही छोड़ दिया ताकि जिसे देश में क्रिकेट ढ़ाचा कमजोर है उसे बेहतर बनाया जा सके। आकाश ने साथ ही कहा, बीसीसीआई एक भी रूपया नहीं लेता है क्योंकि उन्हें कम पैसे की जरुरत नहीं है। उनके पास पहले से बहुत पैसा है पर बाकि देश क्रिकेट के विकास के लिए ऐसा त्याग नहीं करते हैं। बाकि सभी सदस्य देश अपना हिस्सा ले लेते हैं। गौरतब है कि बीसीसीआई विश्व का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड है। पिछले कई सालों से बीसीसीआई ने भारत में क्रिकेट के विकास के लिए काफी विस्तार किया है।

भारत ने लेबनान को हराकर दूसरी बार जीता इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल

भुवनेश्वर ।

भारत ने यहां खेले गये इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल के खिताबी मुकाबले में लेबनान को 2-0 से हराकर दूसरी बार यह खिताब जीता है। कलिंगा स्टेडियम पर हुए इस खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से सुनील छेत्री ने 46 वें मिनट और लल्लियंजुआला छांगटे ने 66 वें मिनट में गोल दागे। अहम बात ये रही कि चार देशों के टूर्नामेंट में भारतीय टीम को एक भी गोल नहीं खाना पड़ा। इससे पहले हुए लीग चरण में भी भारत और लेबनान के बीच खेले गये मुकाबले में कोई गोल नहीं हुआ था। इस बार फाइनल के पहले हाफ में भी दोनों में से कोई टीम गोल नहीं कर पायीपहले हाफ में कोई टीम गोल नहीं कर पायी। भारतीय टीम ने दूसरा हाफ शुरू होते ही एक गोल दाग दिया। छेत्री के इसी के साथ ही अब 87 गोल हो गये हैं। इसके बाद लल्लियंजुआला ने एक बेहतरीन पास पर गेंद पर नेट में पहुंचाकर भारत का स्कोर 2-0 कर दिया। मैच के आखिरी 10 मिनटों में लेबनान के कप्तान ने कई प्रयास किये पर उन्हें सफलता नहीं मिली।

कोच की डांट से हमारी आंखें खुलीं और इसी कारण जीत मिली : छेत्री

भुवनेश्वर ।

राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा है कि मुख्य कोच इगोर स्टिमक से हाफ टाइम के दौरान मिली डांट से ही वह बेहतर प्रदर्शन करने में सफल हुए और टीम को इंटरकॉन्टिनेंटल कप में जीत मिली। भारत इस मैच में पहले हाफ में लेबनान की रक्षापंक्ति को भेद नहीं पा रहा था पर दूसरे हाफ में छेत्री के 87वें अंतरराष्ट्रीय गोल के अलावा लालियानजुआला छांगटे के गोल की सहायता से उसने फाइनल में लेबनान को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। छेत्री ने कहा, ''हाफ टाइम के समय कोच ने जो फटकार लगाई थी उससे हमारी आंखें खुल गयीं। हम पिछले मैच के अपने प्रदर्शन के आसपास भी इस मैच में नहीं खेले। इसलिए हमें कोच से सख्त रुख की जरूरत थी। इस फटकार के बाद हमें पता था कि हमारे पास क्षमता है और इसलिए हमें कम अंतर से मिली जीत पर किसी प्रकार का कोई पछतावा नहीं है। हम जीत से खुश हैं। छेत्री इस टूर्नामेंट में भारत के प्रदर्शन से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, ''हम इंटरकॉन्टिनेंटल कप को पिछली बार जीत नहीं सके थे लेकिन यह जीत अच्छी थी। यह आसान नहीं था, लेकिन हम बहुत खुश हैं, विशेष रुप से इसलिए क्योंकि इस टूर्नामेंट में हमारे खिलाफ कोई गोल नहीं हुआ। मुख्य कोच स्टिमक ने भी कहा कि वह लेबनान के खिलाफ शुरुआती 45 मिनट में अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश नहीं थे। उन्होंने कहा, ''हर मैच अहम होता है, और हर जीत जरुरी है, विशेष रूप से जब आपके खिलाफ कोई गोल नहीं हो पर शुरुआत में हमारी टीम का प्रदर्शन ठीक नहीं था इसलिए मैं हाफ टाइम तक के खेल से संतुष्ट नहीं था।।

निशानेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर रही मनीषा

भोपाल । यहां भारतीय निशानेबाजी टीम के लिए हुए ट्रायल में शहर की मनीषा कीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर एक स्थान हासिल किया है। निशानेबाजी ट्रायल में मनीषा फाइनल में 43 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रही पर ओवरऑल रैंकिग में उसे शीर्ष स्थान मिला। मनीषा ने इसी साल चीन में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी प्रवेश हासिल कर लिया है। मनीषा ने अब तक छह स्वर्ण चार रजत और दो कांस्य सहित 12 पदक राष्ट्रीय स्तर पर जीते हैं। मनीषा के अलावा प्रीत रजक और राजेश्वरी ने भी एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया। ट्रायल मुकाबले मप्र निशानेबाजी अकादमी की नई रेंज में हुए ये मुकाबले 11 जून से 18 जून तक चले।

कोहली की नेटवर्थ 1000 करोड़ से उपर पहुंची

सोशल मीडिया, ब्रांड एंडोर्समेंट से हर साल कमाते हैं करोड़ों रुपये

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली मैदान के अंदर जिस प्रकार बल्लेबाजी में अपना दबदबा बनाये रखते हुए। वहीं हाल उनका मैदान के बाहर भी है। इससे उनकी संपत्ति कई गुना बढ़ रही है। वह सबसे धनी क्रिकेटरों में से एक हैं। कोहली की नेटवर्थ 1000 करोड़ रुपये से ऊपर निकल गयी है। उन्हें क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई अनुबंध में एक प्लस वर्ग में शामिल किया गया है। ऐसे में उन्हें सालाना 7 करोड़ रुपए मिलते हैं। इसके अलावा वह ब्रांड एंडोर्समेंट से भी हर साल करोड़ों रुपये कमाते हैं। कई कंपनियों में निवेश भी उन्हें भारी रिटर्न मिल रहा है। विराट जितनी कमाई क्रिकेट से करते हैं, उससे 4 गुना ज्यादा कमाई विज्ञापन, ब्रांड एंडोर्समेंट और स्टार्टअप्स से वह कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार विराट को एक टेस्ट मैच के लिए 15 लाख, वनडे के 6 लाख और टी 20 के मैच के लिए 3 लाख रुपए मिलते हैं। आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) उन्हें हर साल 15 करोड़ रुपए का भुगतान करती है। एक कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार विराट की वर्तमान नेटवर्थ 1050 करोड़ रुपये हो गयी है।

विराट कोहली ने कई कंपनियों में निवेश किया है। इनमें ब्लूट्राइब, यूनिवर्सल स्पोर्ट्सबिज, एमपीएल और स्पोर्ट्स कॉन्वो शामिल हैं। इससे भी उन्हें भारी लाभ होता है। इसके साथ ही ब्रांड्स प्रमोशन से भी उन्हें जमकर पैसा मिल रहा है। वह एक विश्रापन के लिए हार साल 7.50 से 10 करोड़ रुपए लेते हैं। इस प्रकार ब्रांड एंडोर्समेंट से ही उन्हें हर साल करीब 175 करोड़ रुपए कमाई मिलते हैं। वह सोशल मीडिया से भी मोट कमाई कर रहे हैं। वह फुटबॉल क्लब एफसी गोवा के साथ ही एक कुश्ती और टेनिस टीम के भी मालिक हैं।

उनके सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। विराट के इंस्टाग्राम पर 252 और ट्विटर पर 56.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इंस्टाग्राम पर विराट एक पोस्ट से ही 8.9 करोड़ रुपए कमाते हैं। वहीं ट्विटर पर एक पोस्ट के लिए वह 2.5 करोड़ रुपए लेते हैं। उनके पास कई आलीशान बंगले और फ्लेटस के साथ ही लक्जरी कारें भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

दीक्षा अपने करियर का दूसरा खिताब जीत नहीं पायी

ब्रेंडनबर्ग । भारत की शीर्ष महिला गोल्फर दीक्षा डागर जर्मन मास्टर्स में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहीं पर वह लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर अपने करियर का दूसरा खिताब हासिल नहीं कर पायी। दीक्षा ने एलईटी पर पिछले चार टूर्नामेंटों में तीसरी बार शीर्ष 10 में स्थान बनाया है। यह जर्मन मास्टर्स में उनका अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। गत वर्ष लाकोस्टे ओपन डि फ्रांस टूर्नामेंट भी भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। दीक्षा अंतिम दौर में आठ होल के बाद एक समय 14 अंडर के स्कोर के साथ ही शीर्ष पर भी थी पर नौवें, 10वें और 11वें होल में बोगी के साथ ही वह खिताबी दौड़ में पीछे हो गयीं। वहीं चेक गणराज्य की क्रिस्टीना नेपोलियोवा ने कुल स्कोर 14 अंडर के साथ ही पहले प्ले ऑफ होल में बर्डी के साथ ही इंग्लैंड की कारा गेनर को पीछे छोड़कर खिताब जीता।

वेंकटेश प्रसाद बोले, अब रणजी को बेकार समझा जाने लगा है

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने स्पिनर जलज सक्सेना को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी 28 जून से शुरू हो रही दलीप ट्रॉफी के लिए दक्षिण क्षेत्र की टीम में शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की है। जलज ने भारत ए और मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही गत रणजी ट्रॉफी सत्र में केरल की ओर से 50 विकेट लिए थे। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने ट्वीट किया, 'भारतीय क्रिकेट में कई अजीब चीजें हो रही हैं। रणजी ट्रॉफी में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज को दक्षिण क्षेत्र की टीम के लिए भी जगह नहीं मिलती है जो एक हैरानी और दुख की बात है। इससे यह पता चलता है कि रणजी ट्रॉफी को बेकार का टूर्नामेंट मानने लगे हैं। ये शर्मनाक स्थिति है। जलज ने अपने लंबे घरेलू करियर में 133 प्रथम श्रेणी मैच, 104 लिस्ट ए और 66 टी20 मैच खेले हैं। इससे पहले इस क्रिकेटर ने भी ट्वीट कर अपना चयन नहीं होने पर तंज कसा था और कहा था कि भारत में रणजी ट्रॉफी (एलीट ग्रुप) में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को दलीप ट्रॉफी के लिए क्यों नहीं शामिल किया गया। इसके कारण कोई बता सकता है।

एशियाई खेलों के लिए विनेश, बजरंग और गीता सहित अन्य पहलवानों ने जमकर अभ्यास किया

नई दिल्ली ।

पहलवान बजरंग पूनिया के अलावा महिला पहलवान विनेश फोगाफ और गीता फोगाट के अलावा अन्य पहलवान भी अब भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना प्रदर्शन छोड़कर एशियाई खेलों की तैयारी में लग गये हैं। इसी के तहत ही इन पहलवानों ने एशियाई खेलों के ट्रायल्स के लिए अपने कई साथियों के साथ भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में जमकर अभ्यास भी किया। विनेश ने 9 जून को अभ्यास के लिए इस केंद्र का दौरा किया था जबकि गीता भी ट्रायल के लिए मैट पर उतरी। गीता दो साल के बाद एक बार फिर प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी कर रही है। उनके साथ उनके पति पवन सरोहा भी अभ्यास से जुड़ गये हैं।

वहीं गीता की छोटी बहन संगीता भी अपने पति बजरंग पुनिया के साथ इस केंद्र में हैं। विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवान लंबे समय से मैट से दूर थे। इसलिए ये पहलवान अब जिम में अधिक समय तक रह रहे हैं। संगीता इस दौरान 'स्ट्रेंथ बिल्डिंग पर भी काम कर रही हैं। एक अधिकारी ने कहा, ''विनेश 9 जून को ही इस परिसर में आ गई थी जबकि गीता भी नियमित रूप से आ रही हैं। अब परिसर में सामान्य स्थिति बहाल हो गयी है।

बजरंग और उनके जोड़ीदार जितेंद्र किन्हा ने पहले ही साइ के बहालगढ़ केंद्र में अभ्यास शुरू कर दिया है, जहां पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन पहलवानों के लिए राष्ट्रीय शिविर का आयोजन होता है।

पहलवानों ने इससे पहले खेल मंत्रालय से शारीरिक फिटनेस हासिल करने के लिए समय लगने का तर्क देते हुए हुए एशियाई खेलों के ट्रायल को आग बढ़ाकर अगस्त में कराने को कहा था।

पटनायक ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप विजेता भारतीय टीम को एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की

भुवनेश्वर ।

उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा है कि इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल खिताब विजेता भारतीय टीम को एक करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। कप्तान सुनील छेत्री के अलावा लालियानजुआला छांगटे के गोल की सहायता से भारतीय टीम ने फाइनल में लेबनान को 2-0 से हराकर यह खिताब जीता था। इस दौरान छेत्री ने 87वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया था। पटनायक ने इसके समापन समारोह के दौरान कहा, 'प्रतिष्ठित इंटरकॉन्टिनेंटल कप की मेजबानी यहां करना हमारे लिए बेहद गौरव की बात है। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच हासिल इस जीत के लिए भारतीय टीम को बधाइयां। हमारा लक्ष्य आने वाले समय में राज्य में और अधिक फुटबॉल प्रतियोगिताओं की मेजबानी का रहेगा। जिससे राज्य ओर देश में खेल आगे बढ़ सकें। वहीं अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए उड़ीसा सरकार के प्रति आभार जताया। चौबे ने कहा, ''हम इंटरकॉन्टिनेंटल कप के लिए इससे बेहतर स्थल और अंत की उम्मीद नहीं कर सकते थे। इसके बेहतर आयोजन के लिए मैं राज्य सरकार की सराहना करता हूं।

मोइन के बचाव में उतरे पोंटिंग, उसे नियमों की जानकारी नहीं थी

लंदन । इंग्लैंड के ऑलराउंडर खिलाड़ी मोइन अली के बचाव में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग उतरे हैं। मोइन पर एशेज टेस्ट के दूसरे दिन आचार संहित उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया था। उसी को लेकर पोंटिंग ने कहा कि मोइन को नियमों की जानकारी नहीं थी। उन्हें एजबेस्टन में बाउंड्री के पास जाकर अपने गेंदबाजी हाथ पर स्प्रे लगाते हुए देखा गया था। इसी कारण अली को आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन करते हुए पाया गया वहीं पोंटिंग को लगता है कि मोइन को नियम की कोई जानकारी नहीं थी और इसलिए उन्होंने सुखाने वाली स्प्रे का इस्तेमाल किया है। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर उन्हें नियम के बारे में पता होता तो वह ऐसा नहीं करते। पोंटिंग ने कहा, ठीक है, वह पक्के तौर पर नियम नहीं जानता था। अगर वह जानता होता तो वह मैदान पर बीच में ऐसा नहीं करता। यह पिछले दो वर्षों में अली का पहला अपराध है।

चेन्नई में अफगानिस्तान और बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं खेलना चाहता पाक

आईसीसी से बदलाव करने को कहा

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के दौरान हार के डर से कुछ स्थानों पर नहीं खेलना चाहती है। इसमें चेन्नई में अफगानिस्तान और बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तय मैच है। विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा करने से पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम पर सुझाव के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सहित सदस्य बोर्डों से पूछा तो उन्होंने चेन्नई और बेंगलुरु जैसे स्थलों को बदलने को कहा।

पीसीबी के अनुसार बोर्ड के डेटा एनालिटिक्स और टीम रणनीति विशेषज्ञों को उन स्थानों को मंजूरी देने का काम दिया गया है जहां आईसीसी और बीसीसीआई ने 50 ओवर के मुकाबलों इवेंट के लिए पाकिस्तान के मैचों को अस्थायी रूप से तय किया है। पीबीसी के अनुसार उनकी टीम चेन्नई में अफगानिस्तान और बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया से नहीं खेलना चाहती है। माना जा रहा है कि पाक इसलिए डर रही है क्योंकि स्पिन के अनुकूल चेन्नई में अफगानिस्तान के स्पिरर राशिद खान और नूर अहमद हावी हो सकते हैं। वहीं बेंगलुरू में परिस्थितियां आमतौर पर बल्लेबाजी के अनुकूल होती हैं ऐसे में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने पर हार का डर है। पीसीबी सूत्र ने कहा कि चयनकर्ता, जो टीम प्रबंधन का भी हिस्सा हैं, ने बोर्ड को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के लिए चेन्नई को स्थल के रूप में स्वीकार नहीं करने की सलाह दी है क्योंकि यह ऐसा स्थान था जो स्पिनरों का सहायक रहा है। ऐसे में कहा गया है कि आईसीसी पाक के मैचों के कार्यक्रम में बदलाव करे। वहीं बीसीसीआई के अनुसार आईसीसी सदस्यों से यात्रा कार्यक्रम के बारे में सुझाव मांग रहा है और यह प्रोटोकॉल का हिस्सा है पर स्थलों को बदलने के लिए एक मजबूत कारण होना चाहिए। उन्होंने कहा,

एक सदस्य बोर्ड सुरक्षा कारणों से स्थल परिवर्तन के लिए जोर दे सकता है पर यदि आप मैदान पर अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों के अनुसार किसी स्थान पर नहीं खेलना चाहते तो ऐसा करना संभव नहीं है। ऐसे में सभी टीमों के मांग के अनुसार चलने पर कार्यक्रम बनाना तक कठिन हो जाएगा।

विश्व कप के लिए भारत का दौरा न करे पाक : मियांदाद

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। मियांदाद ने कहा है कि जब तक भारतीय टीम पाक नहीं आती हमें भी विश्वकप के लिए भारत का दौरा नहीं करना चाहिये। एकदिवसीय विश्वकप इस साल के अंत में भारत में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम इसमें अपने मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेलेगी। मियांदाद के अनुसार 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाली विश्व कप के लिए पाकिस्तानी टीम को भारत नहीं जाना चाहिए। मियांदाद ने कहा, मैं सबसे पहले मना कर दूं और जब तक भारतीय टीम हमारे पास नहीं आए हमें भी वहां नहीं जाना चाहिए। भारत को पाकिस्तान में आकर खेलना है। पहले यही होता था, एक साल वो आते थे, एक साल हम पर अगर वे अब नहीं आ रहे तो हमें भी नहीं जाना चाहिये। मियांदाद ने अपनी टीम की तरीफ करते हुए कहा कि हम उनसे कहीं बेहतर हैं। हमारी क्रिकेट उनसे बहुत ऊंची है और जबरदस्त है। हमें दौरा न करने पर चिन्ता नहीं करनी चाहिये। अगर वे नहीं आते तो हमें कोई फर्क नहीं पड़ता है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2008 में एशिया कप के लिए पाक का दौरा किया था। तब से ही दोनों देशों के बीच लंबे जारी तनाव के कारण द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज बंद है। मियांदाद के अनुसार खेल को राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मैं हमेशा कहता हूं कि कोई अपने पड़ोसियों को नहीं चुन सकता है, इसलिए एक दूसरे के साथ सहयोग करके जीना ही बेहतर है और मैंने हमेशा कहा है कि क्रिकेट एक ऐसा खेल है जो लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है जिससे आपस में संबंध बेहतर हो सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के उधना रेलवे स्टेशन को आइकॉनिक लैंडमार्क के रूप में किया जायेगा विकसित

सूरत । भारतीय रेल द्वारा देश के प्रमुख स्टेशनों को आधुनिक और विश्वस्तरीय स्टेशनों में बदलने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अपग्रेडेशन और आधुनिकीकरण के लिए देश भर में 1275 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 87 रेलवे स्टेशन गुजरात में हैं। नवीनतम इंफ्रास्ट्रक्च र और सुविधाओं के साथ उधना रेलवे स्टेशन के कायापलट से नई नौकरियों के सृजन के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा प्रभाव पड़ेगा। माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप उधना रेलवे स्टेशन का नया रूप और लेआउट रेलवे स्टेशन को एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में बदलने और नए भारत की नई रेल बनने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परियोजना का उद्देश्य वास्तुकला के साथ-साथ प्रबंधन पहलुओं के संदर्भ में अपनी अंतरराष्ट्रीय अपील के आधार पर खड़ा होना है; इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उधना रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की परिकल्पना की गई है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उधना रेलवे स्टेशन को 223.6 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से एक आधुनिक स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है और इस कार्य को 24 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य है। कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। इंजीनियरिंग खरीद और निर्माण (ईपीसी) अनुबंध प्रदान किया जा चुका है। साइट सर्वे, जियो टेक्निकल अन्वेषण और मिट्टी जांच का कार्य पूर्ण हो चुका है। पश्चिम की ओर मौजूदा आरपीएफ क्वार्टरों को तोड़ दिया गया है और नए क्वार्टरों का कार्य तेजी से चल रहा है। ग्राउंड फ्लोर स्लैब का कार्य पूर्ण होने के साथ ही रूफ स्लैब का कार्य प्रगति पर है। यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों को स्थानांतरित कर दिया गया है और नए पीआरएस को शुरू किया गया है। पूर्व दिशा के स्टेशन भवन के ग्राउंड फ्लोर सुपर स्ट्रक्चर कॉलम वर्क, स्लैब वर्क और सीढ़ी के साथ-साथ लिफ्ट वॉल का कार्य प्रगति पर है। सब-स्टेशन भवन के slab का कार्य तथा UG tank के फाउंडेशन का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा, पूर्व की ओर सर्कुलेटिंग एरिया में सड़क और पार्किंग के लिए समतलीकरण, उत्खनन और डब्ल्यूएमएम को बिछाने का कार्य प्रगति पर है। नए फुट ओवर ब्रिज की नींव का कार्य भी प्रगति पर है। रेलवे स्टेशन के पूर्व और पश्चिम दोनों ओर नए स्टेशन भवनों का विकास प्रस्तावित है। पूर्व और पश्चिम की ओर स्थित स्टेशन भवनों को एफओबी के माध्यम से एकीकृत/एक दूसरे से जोड़ा जाएगा और बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा के लिए पटरियों और प्लेटफॉर्मों पर एक एयर कॉनकोर्स भी होगा। प्लेटफॉर्मों पर भीड़भाड़ से बचने के लिए प्लेटफॉर्मों के ऊपर यात्री सुविधाओं से युक्त पर्याप्त कॉन्कोर्स/वेटिंग स्पेस होंगे। कॉन्कोर्स क्षेत्र 2440 वर्ग मीटर में फैला होगा। नए स्टेकशन स्टेशन को इस प्रकार के वास्तुशिल्प परिवेश के साथ डिजाइन किया गया है जो यह सुनिश्चित करेगा कि संपूर्ण स्टेशन परिसर उपयुक्त अग्रभाग, फिनिश, रंग, सामग्री, बनावट और समग्र रूप और अनुभव के माध्यम से एक एकीकृत थीम प्रस्तुत करे। मुख्य स्टेशन भवन के पूर्व में सर्कुलेटिंग एरिया में एक क्लॉक टावर होगा जो उधना स्टेशन का आइकॉनिक प्रतीक होगा। पश्चिम की ओर के अग्रभाग की थीम उधना शहर के परिवेश के समान होगी। उधना रणनीतिक रूप से गुजरात के प्रमुख शहरी केंद्रों जैसे सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद और गांधीनगर के निकट है। उधना रेल मार्ग द्वारा गुजरात राज्य के प्रमुख नगरों और छोटे शहरों के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। स्टेशन का इस प्रकार का अपग्रेडेशन और व्यापार और वाणिज्य के लिए आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करेगा और उधना को एक प्रमुख व्यवसाय और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

दक्षिण गुजरात में अगले पांच दिन बारिश की संभावना

सूरत। गुजरात के किसानों के लिए मौसम विभाग से बड़ी खबर सामने आई है। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में मानसून के आगमन में देर है। फिलहाल मानसून दक्षिण भारत में ही है और गुजरात में कोई सिस्टम सक्रिय नहीं है। हांलाकि आगामी 5 दिन दक्षिण गुजरात और उत्तर गुजरात में हलकी बारिश होने की संभावना है। वातावरण में नमी के कारण दक्षिण और उत्तर गुजरात में बारिश होगी। फिलहाल पश्चिम दिशा की हवा चलने से गर्मी से राहत जरूर मिली है, जिसमें आगामी दिनों में वृद्धि हो सकती है। आनेवाले दिनों में तापमान में एक से दो डिग्री की वृद्धि की संभावना है। गुजरात में चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का असर के चलते पिछले 24 घंटों में राज्य की 24 तहसीलों में बारिश हुई है। खासकर बनासकांठा जिले में भारी बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। बनासकांठा के दांता में मूशलाधार बारिश की वजह से सिविल अस्पताल में पानी भर गया है। घुटनों तक पानी भर जाने से गर्भवती महिलाओं को शिफ्ट करना पड़ा है और प्रसूति के बाद उन्हें प्राइवेट अस्पताल में भेजा गया। मरीजों को शिफ्ट करने के लिए ट्रेक्टर की मदद ली जा ही है।

स्पर्श भरुच में फॉसेट् बाजार का नेतृत्व करेगा

भरुच। भारत में 7.8% सीएजीआर दर्ज करते हुए, फॉसेट् बाजार का आकार 2027 तक 59.2 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। फॉसेट् मुख्य रूप से रसोई और बाथरूम में उपयोग किये जाते हैं, ये नलसाजी प्रणाली का अभिन्न अंग हैं और पानी के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। पर्ल प्रिसिशन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री नरेश कुमार गर्ग ने कहा, 卐बाजार पहले से कहीं अधिक शिक्षित हो गया है और डिजाइन नवाचार के लिए बहुत अधिक जोर दिया जा रहा है जहां हमारी मूल ताकत निहित है। हम भरुच में अपने ब्रांड के लिए बहुत गति देखते हैं, ग्राहक विभिन्न प्रकार के डिजाइन चाहते हैं क्योंकि आवासीय अपार्टमेंट का नया निर्माण, वाणिज्यिक स्थानों में विकास, घरों का नवीनीकरण और पुराने नलों को बदलना मांग में वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।

आजकल बाथरूम और किचन सेगमेंट में सबसे तेज वृद्धि देखी जा रही है, मॉड्यूलर बाथरूम और किचन के बढ़ते चलन के कारण, लोग उन्नत और परिष्कृत इन-बिल्ट उपकरणों का विकल्प चुन रहे हैं।

इस तरह की विभिन्न प्रकार की उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए, पर्ल प्रिसिशन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, (पीटीएमटी टैप बनाने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी और सेनेटरी वेयर और बाथरूम एक्सेसरीज में एक अग्रणी नाम) के प्रमुख ब्रांड स्पर्श, भरुच में सबसे बड़े वितरक बाथ पॉइंट के साथ आक्रामक रूप से काम कर रहा है।

ब्रांड के पास उत्पादों की सुरुचिपूर्ण और किफायती रेंज है जिसमे सिस्टर्न, सीट कवर, कैबिनेट, P.T.M.T Taps, कनेक्शन पाइप्स, किचन सिंक, बाथरूम एक्सेसरीज, जैसे हेल्थ फॉसेट, सोप डिस्पेंसर आदि विभिन्न शैलियों, रंगों और परिष्करण की विस्तृत श्रृंखला में उपलब्ध हैं।

हाल ही में कंपनी ने फ्लोशील्ड पाइप्स और फिटिंग्स के माध्यम से पाइप निर्माण में भी प्रवेश किया है।

पॉलीकैब इंडिया ने गुजरात में इलेक्ट्रीशियन के बच्चों के लिए 'जूनियर विशेषज्ञ छात्रवृत्ति कार्यक्रम' की घोषणा की

गुजरात। भारत में तारों और केबलों की अग्रणी निर्माता और सबसे तेजी से बढ़ती एफएमईजी कंपनी पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड ने पॉलीकैब जूनियर विशेषज्ञ छात्रवृत्ति कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य गुजरात राज्य में इलेक्ट्रीशियन के बच्चों को सशक्त बनाना है। पॉलीकैब जूनियर विशेषज्ञ कार्यक्रम पात्र छात्रों को रुपये प्रदान करता है। उन लोगों को 10 लाख की छात्रवृत्ति जो वर्तमान में गुजरात माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और भारत में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में नामांकित हैं।

छात्रवृत्ति के लिए पात्र होने के लिए आवेदकों को 10वीं या 12वीं कक्षा में अध्ययनरत होना चाहिए। 10वीं कक्षा में सफल अभ्यर्थियों को रु. 11,000 को छात्रवृत्ति का पुरस्कार मिलेगा जबकि 12 वीं कक्षा के छात्रों को रु। 20,000 को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इन स्कॉलरशिप का उद्देश्य छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करना है। इच्छुक छात्रों को भाग लेने के लिए 9665445152 पर मिस्ड कॉल करना होगा। आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 30 जून, 2023 है।

पॉलीकैब इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी श्री नीलेश मलानी ने कहा, "हम मानते हैं कि इलेक्ट्रीशियन हमारे इलेक्ट्रिकल इकोसिस्टम की रीढ़ हैं और पॉलीकैब के व्यवसाय का एक अभिन्न अंग हैं। हम उनके योगदान को बहुत महत्व देते हैं और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। छात्रवृत्ति कार्यक्रम इलेक्ट्रीशियन के बच्चों के बेहतर भविष्य को सक्षम करने और उनके सपनों और आकांक्षाओं को सशक्त बनाने का एक प्रयास है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर किसी का अधिकार है और हमें गर्व है कि एक कंपनी के रूप में हम इन बच्चों को अपना भविष्य संवारने का अवसर दे सकते हैं।"

पॉलीकैब इंडिया ने लगातार इलेक्ट्रीशियन समुदाय को अपने अटूट समर्थन का प्रदर्शन किया है और अब पॉलीकैब जूनियर विशेषज्ञ कार्यक्रम की शुरुआत के साथ एक कदम और आगे बढ़ गया है। विद्युत उद्योग में उनकी भूमिका के महत्व को महसूस करते हुए, पॉलीकैब ने सक्रिय रूप से बिजलीकर्मियों को सशक्त बनाने के लिए समर्थन और संसाधन प्रदान किए हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और तकनीकी मार्गदर्शन जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से, पॉलीकैब इंडिया ने इलेक्ट्रीशियन को उनके पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस किया है। पॉलीकैब ने पॉलीकैब एक्सपर्ट्स प्रोग्राम भी लॉन्च किया है जो इलेक्ट्रीशियन को अपना व्यवसाय बढ़ाने और आकर्षक पुरस्कार अर्जित करने के लिए एक पुरस्कृत मंच के साथ सशक्त बनाता है।

न्यू सिविल अस्पताल में बीएससी प्रथम वर्ष का 14वां बैच, नर्सिंग छात्राओं का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया

सूरत । 14वां बैच प्रथम वर्ष बी.एस.सी. नर्सिंग छात्रों का दीप प्रज्वलन एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बीएससी नर्सिंग प्रथम वर्ष के 61 विद्यार्थियों ने शपथ ली। सिविल अस्पताल के सभागार सभागार में आयोजित दीप प्रज्वलन समारोह में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 12 छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। छात्रसंघ द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया।

इस अवसर पर नर्मद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. के.एन. चावड़ा ने कहा, नर्सिंग एक नेक पेशा है, आज नर्सिंग को एक बेहतरीन करियर विकल्प माना जाता है। नर्स की भूमिका स्वास्थ्य ढांचे की आधारशिला है। मरीज की देखभाल, सुरक्षा और इलाज की जिम्मेदारी नर्स की होती है। कई मामलों में, नर्स कुछ रोगियों की देखभाल के लिए चौबीसों घंटे काम करती हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग में करियर बनाने का निर्णय महत्वपूर्ण है क्योंकि केवल मेडिकल छात्रों को ही शिक्षा के साथ-साथ सेवा करने का अवसर मिलता है, इसलिए पूरी लगन के साथ अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

आगे श्री चावड़ा ने कहा कि कोर्स के बाद सूरत के गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज के छात्रों का शत-प्रतिशत रोजगार यहां के उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है। नर्सिंग स्टाफ परिवार की भावना से मरीज का इलाज करता है। किसी भी डॉक्टर या अस्पताल की सफलता में नर्सिंग सेवाओं का अद्वितीय योगदान होता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में अन्य राज्यों की तुलना में गुजरात की प्राथमिकता का मुख्य कारण सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे महान प्रयास हैं।

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. रागिनी वर्मा ने नर्स के जीवन में दीप प्रज्वलन और शपथ के महत्व को समझाते हुए कहा कि मानव सेवा को नर्सिंग से जोड़कर नर्सिंग को नई पहचान देने वाले ई.एस. लैम्प लाइटनिंग और शपथ की अवधारणा फ्लोरेंस नाइटिंगेल से जुड़ी हुई है, जिनका जन्म 1820 में हुआ था। उन्हें आधुनिक नर्सिंग की अग्रणी के रूप में 'लेडी विद द लैंप' के रूप में जाना जाता है। नर्सें अस्पताल का दिल होती हैं, और कोई भी अस्पताल या डॉक्टर उनकी उपस्थिति के बिना सफलतापूर्वक काम नहीं कर सकता है। शपथ ग्रहण करने वाले छात्रों से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना की स्थिति में नर्सिंग स्टाफ ने परिवार की चिंता न करते हुए सेवा के मूल्य के साथ अपना कर्तव्य निभाया, इसी तरह आपको भी भविष्य में अपना कर्तव्य ईमानदारी से निभाना है।

सूरत भूमि, सूरत। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष "नफरत छोड़ो, भारत जोड़ो" के नारे को अपनाने वाले नेता राहुल गांधी जी के जन्म दिवस के अवसर पर उत्सव के रूप में सूरत जिला कांग्रेस समिति द्वारा "डिसेबल वेलफेयर ट्रस्ट ऑफ इंडिया" दिव्यांग भवन उमरा सूरत में दिव्यांग बच्चों को चॉकलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष हसमुख भाई देसाई, अध्यक्ष अशोक भाई पिंपले, लक्ष्मीकांत पटेल, शिव सिंह राजपूत, बाबू भाई पठान, बलवंत जैन, मयंक पटेल, जिग्नेश मिश्रा समेत अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने कि सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान सिविल जज
(एस0डी0) जौनुपर उ. प्र.
मु.नं. 51 सन् 2022
चन्द्र प्रकाश सिंह
बनाम पंकज सिंह

बनाम 1 / 1 प्रीति सिंह उ0त0 39 वर्ष बेवा पंकज सिंह 1 / 2 प्रियांशु सिंह उ0त0 20 वर्ष पुत्र पंकज सिंह 1 / 3 दानिस उर्फ दया निधि उ0त0 11 वर्ष पुत्र पंकज सिंह 1/4 कुमारी डायना उ0त0 12 वर्ष पुत्री पंकज सिंह 1 / 5 कुमारी परी उ0त0 14 वर्ष पुत्री पंकज सिंह जरिए वादाथ संरक्षिका प्रीति सिंह माता हकीकी निवासीगण मौजा चितौड़ी प0रारी त.सदर जिला जौनपुर हाल मुकाम ब्लाक नंबर 16-12-18400 गुजरात हाउसिंग बोर्ड उमर बाड़ा सूरत सिटी सूरत बाम्बे मार्केट गुजरात

चुकि उपर नामाकिंत ने इस न्यायलय में यह आवेदन किया जाता है कि अतएव आपको एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती जाति कि आपको आवेदन के खिलाफ संवागित करन के लिये स्वय या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा सज्जात द्वारा ही ऐसा करने से असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षी सुना और अवधारित किया जायेगा ।

तारीख पेशी 11-07-2023
आपत्ति / निस्तारण
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित निकाली गयी
(न्यायालय)

सूरत जिला प्रशासन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के संबंध में कॉमन योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण आयोजित किया गया

सूरत । युगों युगों से भारतीय संस्कृति की देन समा योग का वैश्विक उत्सव 21 जून को भारत सहित पूरे विश्व में मनाया जाएगा, राज्य स्तरीय योग दिवस गुजरात के सुरत शहर में मनाया जाएगा। सूरत जिला प्रशासन की ओर से 21 जून के जश्न के सिलसिले में शहर के पुलिस परेड ग्राउंड में प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने सामान्य योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण के तहत योगाभ्यास किया। जिसमें जिला कलक्टर श्री आयुष ओक, जिला विकास अधिकारी श्री बी.के.वसावा, प्रांतीय अधिकारी श्री जी.वी.मियाणा, प्रोटोकॉल डिप्टी कलेक्टर श्री भंडारी सहित विभिन्न विभागों के कर्मयोगी उपस्थित थे।

राज्य योग दिवस समारोह के सिलसिले में जिला कलेक्टर आयुष ओक ने युवाओं से योग अभ्यास में शामिल होने की अपील की

सूरत भूमि, सूरत।

इस साल 21 जून को पूरे विश्व में चएक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगज की थीम पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस साल राज्य स्तरीय समारोह सूरत में होने वाला है और इसमें शामिल होने के लिए शहरवासियों और खासकर युवाओं में खासा उत्साह है। सूरत शहर में कई जगहों पर योगाभ्यास किया जा रहा है और योग के सामान्य प्रोटोकॉल कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, आज जिला कलेक्टर आयुष ओके ने योग दिवस समारोह की योजना में शामिल अधिकारियों के साथ बैठक की और कलेक्टर कार्यालय ने प्रदर्शन की समीक्षा की।

जिला कलक्टर ने कहा कि सूरत में अधिक से अधिक लोग योग दिवस समारोह में शामिल होंगे और युवा बड़ी संख्या में योग दिवस समारोह में शामिल होंगे। सूरत शहर का नाम पूरी दुनिया में जगजाहिर करने और विश्व कीर्तिमान स्थापित करने के लिए सभी शहरवासियों, युवाओं से योग साधना से जुड़ने की पुरजोर अपील की गई है।

राज्य योग दिवस मनाने के लिए जिला प्रशासन सूरत नगर निगम ने कमर कस ली है। सुबह 6.00 बजे से 8.00 बजे तक सूरत शहर में मगदल्ला के पास वाई-आकार के जंक्शन से ब्रेडलाइनर सर्कल और एसवीएनआईटी सर्कल तक 12 किमी की सड़क पर नागरिक, युवा, महिलाएं योग दिवस मनाने में शामिल होंगे। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था, गायत्री परिवार, पतंजलि, आर्ट ऑफ़ लिविंग और कई अन्य संगठनों जैसे प्रमुख सामाजिक संगठनों ने भी इस उत्सव में भाग लिया है और अधिक से अधिक लोगों से http://suratidy2023.in पर पंजीकरण करने का अनुरोध किया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)